आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 105 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

इंदौर, शनिवार, 19 अप्रैल, 2025

जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

वन प्रबंधन में औपनिवेशिक सोच से मुक्त होना जरूरी : सीएम डॉ. यादव

वन क्षेत्र में विद्यमान जनजातीय समुदाय के आस्था स्थलों का होगा संरक्षण

नदियों का प्रवाह बनाए रखने के लिए प्रदेश के वनों का संरक्षण आवश्यक

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन, आजीविका से सम्बद्ध विषय है। जनजातीय क्षेत्र में अपार वन संपदा उपलब्ध है। इसके प्रबंधन में ध्यान रखना होगा कि विकास से जनजातीय वर्ग के हित प्रभावित न हो। भारतीय जीवन पद्धति वनों पर आधारित रही है। वनों के प्रबंधन में औपनिवेशिक सोच से मुक्त होने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विरासत से विकास और प्रकृति को जोड़ते हुए प्रगति और प्रकृति में सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया है। पेसा एक्ट इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जीवन का आनंद समग्रता में है, और प्रकृति आधारित जीवन जीने से कई समस्याओं का समाधान स्वतः ही हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापना, जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर प्रशासन अकादमी में राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा केन्द्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने दीप

शुभारंभ

प्रज्ज्वलित कर तथा भगवान बिरसा मुंडा और वीरांगना रानी दुर्गावती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। प्रदेश के महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उईके भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में वनों की स्थिति में सुधार और वन प्रबंधन में नवाचार के लिए के लिए वन विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वन्य जीवों के संरक्षण से इको सिस्टम बेहतर हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर चीतों का पुनर्स्थापना हो पाया है। उन्होंने किंग कोबरा सहित रैप्टाइल्स की प्रजातियों के संरक्षण के लिए भी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता जताते हुए कहा कि इससे

सर्पदंश की घटनाओं में कमी आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र में विद्यमान जनजातीय समुदाय के पूजा और आस्था स्थलों के संरक्षण के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी। आवश्यकता होने पर केंद्र शासन से भी सहयोग प्राप्त किया जाएगा।

डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश वन की दृष्टि से बहुत संपन्न है। प्रदेश में यद्यपि कोई ग्लेशियर नहीं है, किन्तु प्राकृतिक रूप से वनों से निकलने वाली जल राशि से ही प्रदेश से निकलने वाली बड़ी नदियां आकार लेती हैं। मध्यप्रदेश से निकली सोन, केन, बेतवा, नर्मदा नदियां देश के कई राज्यों में जल से जीवन पहुंचा रही हैं। बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश की प्रगति में प्रदेश के वनों से निकले इस जल का महत्वपूर्ण योगदान है। इस दृष्टि से मध्यप्रदेश के वन, पूरे देश के वन हैं। इन नदियों के संरक्षण और उनके निर्मल अविरल प्रवाह को बनाए रखने के लिए मध्यप्रदेश के वनों का संरक्षण और संवर्धन महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा समग्र के माध्यम से नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है। अन्य नदियों पर भी कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना तथा पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) लिंक परियोजना के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से प्रदेश के बड़े क्षेत्र में पेयजल की उपलब्धता और सिंचाई सुविधा सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल जीवों के संरक्षण पर कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने वन्य प्राणियों के संरक्षण में विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने प्रवासी पक्षियों पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन संरक्षण के साथ-साथ आजीविका को सरल और सुलभ बनाने के लिए आयोजित कार्यशाला की सफलता की कामना करते हुए कहा कि जनजातीय क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक प्रगति के साथ-साथ वन-पर्यावरण के संरक्षण में भी यह कार्यशाला उपयोगी सिद्ध होगी।

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री यादव ने कहा कि हमें प्रकृति के संरक्षण के लिए समुदाय आधारित योजनाएं तैयार करने की जरूरत है। केन्द्रीय मंत्री श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रकृति के संरक्षण के लिए एनवायरमेंट फ्रेंडली लाइफ पर ध्यान देने के लिए जनता को निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। पृथ्वी पर निवासरत प्रत्येक व्यक्ति को ऊर्जा, अन्न और जल को सुरक्षित रखना होगा। पर्यावरण संरक्षण में सॉलिड वेस्ट और ई-वेस्ट मैनेजमेंट बड़ी चुनौती हैं। प्लास्टिक के उपयोग को कम करना और स्वस्थ जीवन शैली अपनाना आवश्यक है।

केन्द्रीय मंत्री श्री यादव ने कहा कि विकास की इस धारा में वन और प्रकृति के संरक्षण को साथ लेकर चलना होगा। केंद्र सरकार ने कैपेसिटी बिल्डिंग के माध्यम से वनों में रहने वाले लोगों के जीवन में परिवर्तन के लिए कार्य किया है। वन और यहां रहने वाले लोगों के विकास और संरक्षण के लिए समग्र चिंतन की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य हो रहे हैं। एक पेड़ मां के नाम हमारा बड़ा अभियान बन चुका है। नवकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए सोलर एनर्जी अलायंस बनाया गया है। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए भी अलायंस की स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय बायोफ्यूल अलायंस बनाया गया है। भारत आज दुनिया के विकासशील देशों में ग्लोबल साऊथ का नेतृत्व कर रहा है। हमें वोकल फॉर लोकल तो होना है, साथ में भारत को जनजातीय वर्ग और पर्यावरण के संरक्षण में वैश्विक नेतृत्वकर्ता भी बनना है।

हिंसा पीड़ितों से मिले राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस

बंगाल की सड़कों पर नाच रही मौत!

एजेंसी ● कोलकाता

पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून में संशोधनों के विरोध में भड़की हिंसा के बाद राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने शुक्रवार को मालदा-मुर्शिदाबाद का दौरा किया। उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे हिंसा प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और केंद्र सरकार को रिपोर्ट सौंपने की बात कही। हिंसा की घटनाओं को राज्यपाल ने 'मौत का नाच' करार दिया और इन कृत्यों की कड़ी निंदा करते हुए स्पष्ट किया कि ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य की राजनीति में दो चीजें हिंसा और भ्रष्टाचार कैंसर की तरह फैल रही हैं। इस कैंसर की जडें खत्म करनी होगी।

राज्यपाल ने कहा कि वह पूरी स्थिति का निष्पक्ष तरीके से आकलन करेंगे और शांति बहाल करने के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दौरा स्थगित करने की अपील को दरकिनार करते हुए राज्यपाल ने अपने "संवैधानिक कर्तव्य" का हवाला देते हुए दौरा जारी रखा। उन्होंने कहा, "मैं पीड़ितों की भावनाओं और जरूरतों को समझकर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करूंगा। मेरा मकसद है कि लोगों को उनका हक और सुरक्षा मिले।" 11 अप्रैल को मुर्शिदाबाद के सूती, शमशेरगंज, धूलियन और जंगीपुर जैसे इलाकों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उत्पालत मचाया था। उन्होंशने लूट-पाट की और कई लोगों पर जानलेवा हमले भी किए थे। जिसके बाद सैकड़ों हिंदू जान बचाकर वहां से मालदा की ओर भागे, जहां लालपुर हाईस्कूल को राहत शिविर में बदला गया। इन शिविरों में रहने वालों ने आज राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से अपनी आपबीती साझा की। दौरे के बाद गवर्नर ने मीडिया से कहा कि वह केंद्रीय गृह मंत्री को स्थिति से अवगत करा चुके

हिंसा ताबूत में बंद करने की जरूरत

पीड़ितों से मिलने जाने से पहले राज्यपाल बोस ने राज्य में विभिन्न स्थानों पर लगातार हो रही हिंसा की घटनाओं पर ध्यान दिलाया और कहा कि इस "हिंसा के पंथ" को "ताबूत" में बंद करने की जरुरत है। बंगाल में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए यह कार्य आवश्यक है। मुर्शिदाबाद और मालदा में जो कुछ हुआ है, वह कभी नहीं होना चाहिए था। सभी हितधारकों को इस स्थिति से निपटने के लिए एक साथ आना होगा। इससे पहले, पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हिंसा पीड़ितों को लेकर राज्यपाल से मुलाकात की थी। उन्होंने पीड़ितों के पुनर्वास, क्षतिग्रस्त घरों और दुकानों की मरम्मत समेत कई मांगें रखीं। मजूमदार ने कहा, "मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन मांगों पर सैद्धांतिक सहमति जताई है।"

हैं। उन्होंने राजभवन में एक 'शांति कक्ष' भी खोला है, जहां से शांति बहाली की प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है।राज्यधपाल से पहले राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) और राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) की टीमें भी मालदा पहुंचीं और राहत शिविरों का दौरा किया। मानवाधिकार आयोग ने स्थिति की गंभीरता'' को देखते हुए स्वतः संज्ञान लेकर एक तथ्यान्वेषी दल भेजने का फैसला किया है और तीन हफ्ते में विस्तृत जांच रिपोर्ट मांगी है। वहीं,मुर्शिदाबाद हिंसा से प्रभावित परिवारों से मुलाकात के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) की अध्यक्ष विजया राहतकर ने कहा कि मैं कैंप में महिलाओं और बच्चों से मुलाकात की है। उनके साथ क्या बीती है, उसके बारे में उन्होंने मुझे बताया है। इन महिलाओं को बहुत तकलीफ हुई है। इनके घर भी जल गए हैं। इनके साथ यौन उत्पीड़न भी हुआ है। हम रिपोर्ट सौंपेंगे। मालदा के पार लालपुर शिविर में शुक्रवार को तनाव जैसे हालात हो गए, जब गुस्साए शरणार्थियों ने जिला अधिकारियों को घेर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन पर शिविर छोड़ने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। यहां शिविर में रह रहे एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि यहां जेल जैसे हालात हैं। यहां पर व्यवस्था ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, हमें वे घर वापस जाने के लिए मजबूर कर रहे हैं, लेकिन वह क्षेत्र अभी भी असुरक्षित है। उन्होंने मांग की कि वापस जाने से पहले धुलियान में अपने इलाकों में बीएसएफ शिविर चाहते हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की कार्रवाई

जगन मोहन रेड्डी के 27.5 करोड़ के शेयर, जमीन जब्त

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वायएसआर कांग्रेस प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी की 27.5 करोड़ रुपए के शेयर अस्थायी रूप से जब्त किए हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के 14 साल पुराने मामले में की गई है। जिसमें 'क्विड प्रो क्वो' (कुछ पाने के बदले कुछ देना) निवेश होने के आरोप हैं।

ईडी की हैदराबाद टीम ने जगन की तीन कंपनियों – कार्मेल एशिया होल्डिंग्स, सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और हर्षा फर्म में निवेश को जब्त किया है। इसके अलावा डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल) की करीब 377.2 करोड़ रुपए की जमीन भी जब्त की गई है। डीसीबीएल के मुताबिक, यह जमीन 793.3 करोड़ रुपए की है।

यह मामला 2011 में सीबीआई द्वारा दर्ज किए गए केस से जुड़ा है, जिसमें आरोप है कि डीसीबीएल ने रघुराम सीमेंट्स लिमिटेड (जगन रेड्डी से जुड़ी कंपनी) में 95 करोड़ रुपए निवेश किए थे। इसके बदले में जगन ने अपने पिता, तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के प्रभाव का इस्तेमाल कर डीसीबीएल को आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में 407 हेक्टेयर की खनन लीज दिलाई थी।

गीता और नाट्यशास्त्र यूनेस्को 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर' में शामिल

पीएम बोले, 'हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण'

एजेंसी ● नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'श्रीमद्भगवद्गीता' और भरत मुनि के 'नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को के 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर' में शामिल किए जाने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने इसे प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण बताया। दरअसल, शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए जानकारी दी कि 'गीता' और 'नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को के 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर' में शामिल किया गया है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत के इसी पोस्ट का जवाब देते हुए पीएम मोदी ने लिखा, "समूचे विश्वू में प्रत्येतक भारतीय के लिए गर्व का क्षण। गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर' में शामिल किया जाना हमारे शाश्वत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति को वैश्विक मान्यता प्रदान किया जाना है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करना जारी रखे हुए है।"

इससे पहले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "भारत की सभ्यतागत विरासत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण। श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि का नाट्यशास्त्र अब यूनेस्को के 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर' में शामिल किया गया हैं। यह वैश्विक सम्मान भारत की शाश्वत बुद्धिमत्ता और कलात्मक प्रतिभा का जश्न मनाता है। उन्होंने आगे लिखा, "ये कालातीत रचनाएं साहित्यिक खजाने से कहीं अधिक हैं, ये दार्शनिक और सौंदर्यपरक आधार हैं, जिन्होंने भारत के विश्व-दृष्टिकोण और हमारे सोचने, महसूस करने, जीने और अभिव्यक्ति के तरीके को आकार दिया है। इसके साथ ही, अब इस अंतर्राष्ट्रीय रजिस्टर में हमारे देश के 14 अभिलेख शामिल हो गए हैं।"

मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर

'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर' यूनेस्को की तरफ से शुरु किया गया एक प्रोग्राम है, जिसका मकसद विश्वभर के महत्वपूर्ण दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करना है। इसके साथ ही इसे आसानी से लोगों तक पहुंचाना होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत 1992 में हुई थी।

धनखड़ पर भड़का विपक्ष, बताया अवमानना

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के हालिया बयानों ने सियासी हलकों में जोरदार भूचाल ला दिया है। विपक्षी पार्टियों ने उनके बयानों को न्यायपालिका की तौहीन बताते हुए तीखी आलोचना की है।

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने साफ कहा, 'हमारे लोकतंत्र में सबसे ऊपर अगर कोई चीज है तो वो है भारत का संविधान। न राष्ट्रपति, न प्रधानमंत्री और न ही राज्यपाल, कोई भी व्यक्ति संवैधानिक मर्यादा से ऊपर नहीं हो सकता।' कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति के बयान को बेहद आपत्तिजनक करार दिया और कहा कि ये अदालत की अवमानना के दायरे में आता है। कपिल सिब्बल ने कहा कि भारत का राष्ट्रपति नाममात्र का संवैधानिक प्रधान है। उपराष्ट्रपति का भी पद ऐसा ही है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 142 में संविधान ने सुप्रीम कोर्ट को शक्ति दी है। धनखड़ का बयान दुखद है।

अब 3D में देख सकेंगे प्रभु की लीला : नगर विकास विभाग ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की कार्ययोजना

मथुरा में 'कृष्ण लोक' और अयोध्या में बनेगा 'लव-कुश' पार्क

उत्तर प्रदेश में मथुरा में कृष्ण लोक पार्क और अयोध्या में लव-कुश पार्क का निर्माण होगा। इन पार्कों में भगवान श्रीकृष्ण और प्रभु श्रीराम की लीलाओं को 3डी इमेजिंग और इंटरेक्टिव मॉडल के माध्यम से दर्शाया जाएगा। नगर विकास विभाग कचरे और धातु स्क्रैप से इन पार्कों का निर्माण कराएगा। यह पार्क पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

एजेंसी ● लखनऊ

संगमनगरी में कचरे और धातु स्क्रैप से थीम पार्क के निर्माण का सफल प्रयोग अब श्रीराम और श्रीकृष्ण की नगरी में भी आजमाया जाएगा।

सौगात

प्रयागराज में बना शिवालय पार्क महाकुंभ में श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा था।

अब उसकी तर्ज पर मथुरा में कृष्ण लोक पार्क और अयोध्या में लवकुश पार्क व श्रीपुरुषोत्तम दर्शन अनुभव केंद्र का निर्माण किया जाएगा। इनमें प्रभु श्रीराम और कृष्ण की लीलाओं को दर्शाया जाएगा। नगर विकास विभाग ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने इन थीम पार्क की कार्ययोजना प्रस्तुत की है।

प्रभु के प्रसंगों को दिखाया जाएगा

मथुरा-वृदांवन क्षेत्र में बनने वाले कृष्ण लोक पार्क में 3-डी इमेजिंग, इंटरेक्टिव मॉडल और लाइट एंड साउंड के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को दिखाया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ पूतना, बकासुर और कंस वध की लीला को दर्शाया जाएगा। कान्हा के युवाकाल, चीर हरण से द्रौपदी की रक्षा की लीला से लेकर महाभारत में गीता का उपदेश देते हुए उनके विराट स्वरुप को भी प्रस्तुत किया जाएगा। बच्चों के मनोरंजन के लिए बांसुरी और मयूर आकृति के झूले, द्वापर युगीन मथुरा-वृदांवन का परिदृश्य भी बनाया जाएगा। वहीं अयोध्या के लव-कुश पार्क में प्रभु श्रीराम और लव-कुश के जीवन प्रसंगों को दर्शाया जाएगा। इंटरेक्टिव तकनीक के प्रयोग से रामकथा के प्रेरक प्रसंग दिखाए जाएंगे।

आनंद नगर में चल रहे रामकथा महोत्सव में प.पू. उत्तम स्वामी के प्रेरक आशीर्वचन

मन का प्रवाह परमार्थ, प्रेम और परोपकार में होना चाहिए

संवाददाता ● इंदौर

सारा मामला मन का है। मन की गति और मन का प्रवाह सबसे अलग चलते हैं। दुनिया में सारा निर्धारण मन पर ही निर्भर होता है। मन का स्वभाव सबसे चंचल और तेज माना गया है। कोई समझे या न समझे लेकिन भगवा चीटी के पैरों की आवाज भी सुन लेते हैं। भगवान की कृपा प्राप्त करने के लिए सत्य, प्रेम, साधना और सत्संग जैसे सद्गुण जरूरी हैं। मन कोई घोड़ा या हाथी नहीं है, जिस पर अंकुश लगाया जा सके। मन को तो संतो की सन्निधि में रहते हुए भगवान की ओर से मोड़ना होगा, तभी सद्गुणों की ऊर्जा प्राप्त होगी। मन का प्रवाह परमार्थ, प्रेम और परोपकार में होना चाहिए। राम के चरणों में लगाया गया मन हमें संसार से साधना की ओर ले जाएगा। संतों के दर्शन और सानिध्य से सुख का मार्ग प्रशस्त होता है।

रामकथा

प्रख्यात मानस मनीषी महामंडलेश्वर प.पू. उत्तम स्वामी महाराज ने शुक्रवार को अग्रवाल संगठन नवलखा की मेजबानी में आनंद नगर खेल परिसर मैदान पर चल रहे रामकथा महोत्सव के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। कथा श्रवण के लिए सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी भी आज विशेष रूप से आनंद नगर पहुंचे। हंसदास मठ के महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज, महंत वामनदास, महंत मंगलनाथ सहित जगन्नाथपुरी एवं गंगोत्री से भी आए हुए संतों, महंतों ने भी व्यासपीठ का पूजन किया। आयोजन से जुड़े संदीप गोयल, पार्षद मृदुल अग्रवाल, गोविंद मोरनी, मंडी अध्यक्ष संजय अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल, अखिलेश गोयल, राजेन्द्र गोयल, मनीष मोरनी, सुनील बड़गोंदा, संजय हाई-वे आदि ने सभी अतिथियों और संतों का स्वागत किया। आशीष मितल आनंद नगर, आशीष बालाजी मेडिकल, विमल बंसल सचिन बंसल, सुनील मित्तल, अनिता गुप्ता, अतुल वनश्री, कमलेश गोयल, हर्ष गोयल आदि ने विधायक गोलु शुक्ला एवं भाजपा प्रवक्ता दीपक जैन टीनू के साथ विद्वान वक्ता की अगवानी की। संयोजक संदीप गोयल आटो ने बताया कि आनंद नगर में कथा का यह प्रवाह 21 अप्रैल तक प्रतिदिन सांय 4 से 7 बजे तक जारी रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति माहेश्वरी भी पहुंचे

जीवन में हम जो भी करते हैं, उसका निर्धारण मन करता

महामंडलेश्वर प.पू. उत्तम स्वामी ने कहा कि जीवन में हम जो भी कुछ करते हैं, उसका निर्धारण मन करता है। मन से ही हमारी सारी गतिविधियां और संसार की अवस्था तय होती है। सवाल यह है कि मन को भगवान की ओर कैसे मोड़ा जाए। मन कोई घोड़ा नहीं है कि लगाम लगा दी जाए अथवा हाथी नहीं है कि महावत उस पर अंकुश लगा सके। मन तो मन है, उसे परमात्मा के चरणों में मोड़ने के लिए हमें अपने स्वभाव और प्रवाह को राम के चरणों में समर्पित करना होगा। परमात्मा की कृपा को स्वीकार करने की बुद्धि जिस दिन हमारे भीतर आ जाएगी, उस दिन हम मन को साधने का अभ्यास सीख जाएंगे। जब तक ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होगी, तब तक जीवन में प्रेम रुप धारा का प्राकट्य संभव नहीं है। ईश्वर सर्वभूतानाम है। उन्हें चीटी के पैरों की भी आहट सुनाई देती है।

कल गो सेवा करेंगे

अग्रवाल संगठन नवलखा के तत्वावधान में प.पू. ध्यान योगी महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी महाराज के सानिध्य में रविवार, 20 अप्रैल को सुबह 10 बजे केशरबाग रोड स्थित अहिल्या माता गोशाला पर गो माता को छप्पन भोग एवं गो सेवा का आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम संयोजक अतुल शांतिलाल अग्रवाल, गौरव गोयल, सुनील ओमप्रकाश अग्रवाल, रीतेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, पी.डी. अग्रवाल, शैतानमल अग्रवाल, दीक्षा-अनुज जैन एवं गुरु भक्त मंडल के ओम सिलावट, धनंजय शर्मा, आसिफ शाह एवं विवेक निगम ने बताया कि चूंकि गाय में 33 करोड़ देवताओं का वास माना गया है, इसलिए गाय की सेवा करने से सभी देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। 20 अप्रैल को गुरु भक्त मडंल और अग्रवाल संगठन नवलखा के तत्वावधान में गोसेवा का यह अनुष्ठान रखा गया है।

अब छांव देने वाली ग्रीन नेट लगेगी

इंदौर के चौराहों पर विज्ञापन होर्डिंग्स रात से हटने शुरू

संवाददाता ● इंदौर

चौराहों पर वाहन चालकों को छांव देने के नाम पर लगाए गए होर्डिंग्स को लेकर एक घोटाला सामने आया था। गुरुवार दोपहर में होर्डिंग्स वालों के साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगमायुक्त शिवम वर्मा की संयुक्त बैठक के बाद कड़े निर्देश दिए गए और साफ कहा गया कि विज्ञापन तो नहीं चलेंगे। इसके बाद गुरुवार देर रात इन्हें हटाने का काम शुरू हो गया और ग्रीन नेट लगाई जा रही है।

यह विवाद सबसे पहले पलासिया चौराहे पर लगे होर्डिंग्स से ही हुआ था। यहां श्रीधी दूध, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ व अन्य के विज्ञापन लगाते हुए करीब 400 वर्गफीट का विज्ञापन डोम या जंगला ही खड़ा कर दिया था। इनकी तैयारी पूरे शहर के हर चौराहे पर यही कांड करने का था। उनके देखादेखी हुकुमचंद घंटाघर, हाईकोर्ट तिराहे पर भी मोयरा सरिया, मदनलाल-छगनलाल ज्वेलर्स, कल्याण ग्रुप ने भी यही तरीका खोजा और 40 से अधिक कंपनियां इसमें तगड़ा मुनाफा देख आगे आ गई।

निर्देश

उधर कांग्रेस के निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे यह सब कांड हो जाने और होर्डिंग्स उतरने की शुरुआत होने के बाद पूरी घटना के सात दिन बाद जागे हैं। उन्होंने अब बयान जारी कर इसे घोटाला बताते हुए इन कंपनियों से एक करोड़ की टैक्स चोरी की राशि निगम खाते में जमा कराने की मांग की है। साथ ही इस घोटाले के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव पर खुलकर आरोप लगाए और कहा कि उन्होंने इन कंपनियों को आगे बढ़ाया। साथ ही इस मामले में लोकायुक्त में शिकायत करने की भी बात कही, लेकिन सात दिन तक वह चुप क्यों रहे और वह भी इसी शहर में घूमते हैं तो उन्होंने क्यों इसे नहीं देखा और बात उठाई, इस पर कोई जवाब नहीं है।

निगमायुक्त बोले- नहीं लगेंगे विज्ञापन

निगमायुक्त ने कहा था कि महापौरजी की अध्यक्षता में बैठक हुई और यही तय हुआ कि नियमों का पालन करते हुए काम करें और जो भी स्ट्रक्चर लग रहे हैं उसकी मजबूती रहे, ताकि किसी भी अनहोनी घटना से बचा जा सके। साथ ही लगने से रोड की चौड़ाई प्रभावित नहीं हो, ट्रैफिक में समस्या नहीं आए। अच्छी पहल है, वाहन चालकों को राहत मिलेगी और पूरी तरह जनसेवा का काम है। विज्ञापन को लेकर साफ तय किया है कि एक पट्टी तय रहेगी और उसका पालन करना होगा, विज्ञापन मान्य नहीं करेंगे, केवल जो शहरहित में काम कर रहा है उसका नाम लिख सकेंगे, बाकी विज्ञापन नहीं होंगे।

बैठक में यह तय हुआ था

1- बड़े-बड़े विज्ञापन लगे हैं, इस पर क्या होगा?
तय- यह हटेंगे, इन होर्डिंग्स में जो संगठन सौजन्य से यह काम कर रहा है, केवल उनका नाम रहेगा और इसकी भी एक जगह एक पट्टी अलग तय होगी। इसमें विज्ञापन नहीं होंगे।

2- स्ट्रक्चर की मजबूती का क्या होगा?
तय- इसकी जांच होगी, निगम का इंजीनियर इसे देखेगा, साथ ही एक पांच सदस्यीय कमेटी रहेगी, इसमें निगम के अधिकारी, इंजीनियर के साथ मानव कल्याण संगठन के विनी बड़जात्या व अन्य होंगे। जो सभी मुद्दे को समझकर नियमों के तहत आगे बढ़ेगी

3- ट्रैफिक को लेकर क्या स्थिति होगी?
तय- कमेटी ही देखेगी कि स्ट्रक्चर इस तरह से हो कि ट्रैफिक प्रभावित नहीं हो। यह स्ट्रक्चर लगने से रोड की चौड़ाई प्रभावित नहीं हो।

सस्ता सौदा देख आ गई थीं कई कंपनियां

जनसेवा के नाम पर हो रहे होर्डिंग्स घोटाले में फायदा देख कई कंपनियां इसमें आगे आ गई थीं। यह उनके लिए बहुत ही सस्ता सौदा हो रहा था। क्योंकि पलासिया चौराहे पर एक विज्ञापन औसतन पांच-छह लाख रुपए का पड़ता है और यहां पूरा चौराहा ही हमेशा के लिए मिल रहा था और इसमें डोम भी 300-400 वर्गफीट का मिल रहा था। जोमेटो जैसी कंपनियां भी इसमें आगे आ गई थीं। इस घोटाले का खुलासा करने के बाद जागे नगर निगम ने सख्ती दिखाई और इसमें विज्ञापन पर रोक लगाने के आदेश दे दिए, इसके बाद अब अपना कमर्शियल लाभ नहीं देखते हुए यह कंपनियां पीछे हटने लगी हैं, यानी साफ है कि इनकी मंशा जनसेवा नहीं व्यावसायिक लाभ की ही थी। महापौर और निगमायुक्त ने साफ कर दिया है कि जो जनसेवा के लिए आना चाहते हैं वह ही आगे आएं।

जनसेवा के बदले रिटर्न की मानसिकता

उधर कांग्रेस के पूर्व महासचिव राकेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि जनसेवा में भी धनसेवा का उलाहना देकर रिटर्न चाहिए। जनसेवा के नाम पर गजब की मानसिकता हैं। निगम ने आखिरकार सही फैसला लिया और विज्ञापन पर रोक लगाई और स्ट्रक्चर जांचने के लिए भी कहा।

रीवा चर्लपल्ली रीवा द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 01704/01703 रीवा चर्लपल्ली – रीवा द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (10-10 ट्रिप) चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी। गाड़ी संख्या 01704 रीवा – चर्लपल्ली विशेष ट्रेन दिनांक 24 अप्रैल 2025 से 25 मई 2025 तक प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार को रीवा स्टेशन से दोपहर 13:00 बजे प्रस्थान कर, उसी दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 19:50 बजे बीना, 22:00 बजे रानी कमलापति, 23:35 बजे इटारसी एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद अगले दिन दोपहर 14:45 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01703 चर्लपल्ली रीवा द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (10 ट्रिप)गाड़ी संख्या 01703 चर्लपल्ली रीवा विशेष ट्रेन दिनांक 25 अप्रैल 2025 से 26 मई 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को शाम 16:55 बजे चर्लपल्ली स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 12:25 बजे इटारसी, 15:40 बजे रानी कमलापति, 18:15 बजे बीना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद तीसरे दिन सुबह 03:30 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में चर्लपल्ली, जनगांव, काजीपेट जंक्शन, पेड्डापल्ली, मंचेराल, बेलमपल्ली, सिरपुर कागज़नगर, बल्हारशाह, नागपुर जंक्शन, आमला जंक्शन, बैतूल, इटारसी जंक्शन, रानी कमलापति, बीना जंक्शन, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर, सतना, रीवा स्टेशनों पर रुकेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

टीवीएस मोटर कंपनी ने किया अपग्रेडेड टीवीएस अपाचे आरआर 310 का अनावरण, आधुनिक फीचर्स के साथ

एजेंसी ● बैंगलुरू

दुनिया में दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों की अग्रणी निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी (टीवीएसएम) ने सुपर प्रीमियम स्पोर्ट्स मोटरसाकल कैटेगरी में अपनी मुख्य पेशकश- अपडेटेड टीवीएस अपाचे आरआर310 का अनावरण किया है। 2025 एडीशन ओबीडी-2बी नियमों के लिए कम्प्लायन्ट है। टीवीएस अपाचे सीरीज़ की 20वीं सालगिरह और दुनिया भर में 6 मिलियन उपभोक्ताओं का आंकड़ा पार करने की उपलब्धि का जश्न मनाते हुए कंपनी यह नया एडीशन लेकर आई है।

टीवीएस अपाचे आरआर 310 एक मास्टरपीस है जो पिछले चार दशकों से टीवीएस रेसिंग में अपना प्रभुत्व बनाए हुए है। एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप में 1:49.742 सैकण्ड्स के सर्वश्रेष्ठ लैप टाईम और 215.9 किलोमीटर प्रति घण्टा की टॉप स्पीड के साथ अपना प्रभुत्व स्थापित करने वाली मशीन से प्रेरित यह मास्टरपीस शानदार परफोर्मेन्स देता है। यह सिर्फ एक मोटरसाइकल नहीं बल्कि- स्पीड, सटीकता एवं रेसिंग में बेहतरीन स्टेटमेन्ट है।

सबसे पहले 2017 में लॉन्च की गई अपाचे आरआर 310 सुपर स्पोर्ट्स मोटरसाइकल सेगमेन्ट में अग्रणी रही है, इसने पावर, टेक्नोलॉजी और डिज़ाइन में नए मानक स्थापित किए हैं। निरंतर विकसित होते हुए, इसके नए अपग्रेड में मुख्य बदलाव किए गए हैं जो इसकी अपील और राइडिंग के अनुभव को कई गुना बेहतर बना देते हैं।

नई टीवीएस अपाचे आरआर 310, तीन बीटीओ कस्टमाइज़ेशन विकल्पों के साथ, दो वेरिएन्ट्स में उपलब्ध होगी। सुपर स्पोर्ट परफोर्मेन्स के लिए डिज़ाइन किए गए इस एडीशन में फुली-फेयर्ड डिज़ाइन और रेस-उन्मुख फीचर्स शामिल किए गए हैं जो ट्रैक पर अनुकूल नियन्त्रण बनाए रखते हैं। चार डायनामिक राइडिंग मोड्स- ट्रैक, स्पोर्ट, अरबन और रेन' के साथ, यह हर परिस्थिति में शानदार परफोर्मेन्स देती है। इसका रिफाइन्ड रिवर्स-इन्क्लाइन्ड डीओएचसी इंजन 9ए800 तचउ पर 38 चे् और 7ए900 तचउ पर 29 छउ का टोर्क देता है तथा रोमांचक राईड का अनुभव प्रदान करता है।

सेगमेन्ट में पहली बार पेश किए गए फीचर्स

सिक्वेंशियल टीएसएल
कॉर्नरिंग ड्रैग टोर्क कंट्रोल (आरटी-डीएससी)

अतिरिक्त नए फीचर्स

लॉन्च कंट्रोल (आरटी-डीएससी)
जेन-2 रेस कम्प्यूटर, मल्टी लैंगवेज सपोर्ट के साथ
8 स्पोक के एलॉय व्हील्स

लॉन्च के अवसर पर विमल सुंबली, हैड बिज़नेस- प्रीमियम, टीवीएस मोटर कंपनी ने कहा, ''2017 में अपनी शुरूआत के बाद से टीवीएस अपाचे आरआर 310 सुपर-प्रीमियम स्पोर्ट मोटरसाइकल सेगमेन्ट में मजबूती से उभरी है और इसने अपने रेसिंग डीएनए के साथ परफोर्मेन्स के नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। टीवीएस रेसिंग की 43 सालों की धरोहर का आगे बढ़ाते हुए यह इनोवेशन और एक्सीलेन्स में हमारे निंरतर प्रयासों का प्रतीक है। आधुनिक तकनीक से युक्त आरआर 310 के नए एडीशन में कई ऐसे फीचर्स हैं जो सेगमेन्ट में पहली बार लाए गए हैं जैसे सिक्वेंशियल टर्न सिग्नल लैम्प्स (टीएसएल), लॉन्च कंट्रोल और ड्रैग टोर्क कंट्रोल- जो राइड-उन्मुख आधुनिक तकनीकों में हमारी लीडरशिप को दर्शाते हैं। नया बीटीओ रेस रेप्लिका कलरवे हमारी रिकॉर्ड तोड़ने वाली टीवीएस एशिया वन मेक चैम्पियनशिप की विरासत को आगे बढ़ाता है। अपने नए अवतार में अपाचे आरआर 310 न सिर्फ मैदान में शानदार परफोर्मेन्स देती है बल्कि रोज़मर्रा में भी राईड के अनुभव को रोमांचक बनाती है।

एलएनसीटी विश्वविद्यालय में GCCI मध्य प्रदेश राज्य बैठक का आयोजन

संवाददाता ● भोपाल

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में गाय आधारित उद्योगों के वैश्विक परिसंघ (GCCI) की मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय बैठक हुई इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता GCCI के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया (पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष ने की। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे डॉ. अनुपम चौकसे, कुलाधिपति - जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जिन्होंने गौ आधारित शिक्षा और शोध के क्षेत्र में एलएनसीटी समूह की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इस अवसर पर एलएनसीटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु एवं गौ सेवा स्वयंसेवक मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय इकाई के प्रदेश संयोजक एन. के. थापक भी सम्मिलित हुए डॉ. थापक ने अपने संबोधन में कहा, "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली को विकसित करना है। भारत की सांस्कृतिक जड़ों में रची-बसी है गौ परंपरा आज भी प्रासंगिक है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह एक मजबूत आधार बन सकती है।" उन्होंने यह भी बताया कि गाय आधारित उत्पादों से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और गंभीर बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है। इस राज्य स्तरीय बैठक में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए GCCI के जिला अध्यक्ष, विभागीय संयोजक एवं गौ सेवा संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। . वल्लभभाई कथीरिया ने अपने संबोधन में कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यदि गाय को केंद्र में रखकर उद्योगों का विस्तार किया जाए, तो यह मॉडल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएगा बल्कि देश की आत्मनिर्भरता को भी मजबूती देगा। बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि आगामी महीनों में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में गौ आधारित स्टार्टअप्स, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शोध परियोजनाओं को आरंभ किया जाएगा

वित्तीय स्वतंत्रता, आपके अपने तरीके से टाटा एआईए ने स्मार्ट सुरक्षा और विकास के लिए लॉन्च किया शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान

एजेंसी ● मुंबई

जीवन सपनों से भरा है- घर खरीदना, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए पैसे जुटाना, शानदार छुट्टियों की योजना बनाना या चिंता मुक्त सेवानिवृत्ति का आनंद लेना। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वित्तीय सुरक्षा काफी नहीं है, आपको चाहिए एक ऐसी योजना जो आपकी आवश्यकताओं के अनुसार बदलती रहे। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने टाटा एआईए शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान लॉन्च किया है। यह एक नया जीवन बीमा बचत समाधान है जो वित्तीय सुरक्षा और संपत्ति बनाने के लिए एक लचीला दृष्टिकोण देता है। इस प्लान को आपके साथ विकसित होने के लिए डिज़ाइन किया गया – लचीलापन इसकी विशेषता है।

शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान एक नॉन-लिंक्ड, पार्टिसिपेटिंग जीवन बीमा बचत योजना है। इसमें आपको अपनी अनूठी आकांक्षाओं के आधार पर अपनी वित्तीय योजना को अनुकूलित करने का अधिकार मिलता है। यह योजना आपको शुरूआत से ही लचीलापन देते हुए, तीन अनुकूलित विकल्प प्रदान करती है, यह हर विकल्प विशिष्ट वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

एंडोमेंट विकल्प - दीर्घकालिक बचत बनाने के लिए आदर्श है। इसमें आपको योजना के अंत में एकमुश्त भुगतान मिलता है। घर खरीदने, अपने बच्चे की शिक्षा या भविष्य के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे बड़े जीवन लक्ष्यों के लिए बहुत बढ़िया है। प्रारंभिक आय विकल्प - जो लोग नियमित नकदी प्रवाह चाहते हैं, उन्हें इस विकल्प में योजना के पहले वर्ष से वार्षिक नकद बोनस मिलता है।

विलंबित आय विकल्प - दीर्घकालिक धन जुटाने या प्रारंभिक सेवानिवृत्ति की योजना बनाने वाले लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस विकल्प में प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद नकद बोनस मिलता है, साथ ही बढ़ी हुई वृद्धि के लिए भुगतान को स्थगित करने की सुविधा भी मिलती है। लचीलापन इस योजना का मुख्य लाभ है - इसमें उपभोक्ता अपनी परिस्थितियों के अनुसार अपने वित्तीय दृष्टिकोण को समायोजित कर सकते हैं। सिर्फ़ बचत से ज़्यादा – मन की शांति के लिए बिल्ट-इन सुरक्षा शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान न केवल संपत्ती बनाने का मार्ग देता है, बल्कि वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुरक्षा सुविधाएं भी इसमें शामिल हैंः

प्रीमियम माफ़ी का विकल्प – दुर्भाग्यवश अगर पॉलिसीधारक की मृत्यु होती है, तो भविष्य के सभी प्रीमियम माफ़ कर दिए जाते हैं, जिससे उनके प्रियजनों को नियोजित लाभ मिलते रहते हैं।

कवर कंटिन्युअंस बेनिफिट – पॉलिसीधारक के निधन के बाद भी पॉलिसी जारी रहती है। भविष्य के प्रीमियम माफ़ कर दिए जाते हैं, लेकिन पॉलिसीधारक के प्रियजनों को भविष्य के सभी बोनस और लाभों के साथ-साथ डेथ बेनिफिट भी मिलता है।

'सब वॉलेट' सुविधा – यह अनूठी सुविधा पॉलिसीधारकों को वॉलेट में बोनस जमा करने की अनुमति देती है, जिस पर ब्याज मिलता है और जिसका उपयोग भविष्य के प्रीमियम भुगतान के लिए किया जा सकता है।

स्मार्ट लेडी लाभ – यह योजना महिला पॉलिसीधारकों के लिए विशेष छूट प्रदान करती है, उन्हें अधिक किफायती कवरेज और लाभ मिलते हैं।

सूर्य की तपन से बचाव के लिए लोग कर रहे जतन...

गर्मी का मौसम चल रहा है और सूर्य नारायण भरपूर आग उगल रहे हैं। ऐसे में जरूरी काम से घरों से निकलने वाले वाहन चालक गर्मी से बचाव के लिए इस तरह के जतन कर रहे हैं।

गर्मी का मौसम चल रहा है, शहरवासी गर्मी और धूप से बचने के लिए तरह-तरह के जतन कर रहे हैं। घर की छत के ऊपर से ये दो युवतियां भी शायद गर्मी की तपन का अहसास कर रही है और यह कह रही हैं कि उफ ये गर्मी...

शॉट न्यूज

बाइक को टक्कर मारकर घसीटा, गाड़ी जली

इंदौर। सिमरोल थाना क्षेत्र में मिनी ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मारकर घायल कर दिया। हादसे के बाद दोनों बाइक सवारों को गाडी सहित घसीटता हुआ ले गया। इस हादसे में बाइक सवार बाल-बाल बचे है। सत्यनारायण पिता सिद्दू चौहान (25) निवासी ग्राम मेण्डल की शिकायत पर मिनी ट्रक के ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया है।इस हादसे में हंसराज (25) घायल हो गया। सत्यनारायण ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने मिनी ट्रक को तेजगति एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर लाया। उनकी मोटरसाइकिल में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद आरोपी घसीटता हुआ आगे लेकर चला गया। वह दोस्त हंसराज दोनों मोटरसाइकिल से नीचे गिर गये । गाड़ी के घसीटने से बाइक में में आग लग गई। मोटरसाइकिल पुरी तरह से जल गई। इससे उसे वह और दोस्त घायल हो गया।

मेसर्स सनसाईन एग्री प्रा.लि. के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशानुसार इंदौर जिले में गठित जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल द्वारा लगातार जाँच की जा रही है। इसी क्रम में जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल कृषि विभाग इंदौर द्वारा गत 07 अप्रैल को 217-एस.आर. कम्पाउण्ड लसुडिया मोरी देवास नाका का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स सनसाईन एग्री प्रा.लि. जलगांव महाराष्ट्र के उत्पाद अकार्बनिक सूक्ष्म तत्व, मिश्रण उर्वरक, जैव उर्वरक, बायो स्टीमुलेंट अवैध रूप में भण्डारित पाये गये। उक्त अनियमितता उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) नियंत्रण आदेश 1985 का उल्लघंन होने से आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत दण्डनीय अपराध है। मेसर्स सनसाईन एग्री प्रा.लि. के विरूद्ध पुलिस थाना लसुडिया मोरी देवास नाका इंदौर में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल द्वारा जाँच की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा अनियमितता पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

चद्दर हटाने की बात पर लड़े दो पक्ष

इंदौर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच में मारपीट हो गई। बताया जाता है कि घर के सामने चद्दर हटाने की बात पर उनके बीच में कहासुनी हो गई थी। पहले दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई और इसके बाद उनके बीच में जमकर मारपीट हो गई। दिव्या तंवर (19) निवासी आनन्द नगर की शिकायत पर माला, पूजा के खिलाफ केस दर्ज किया है। दिव्या ने पुलिस को बताया कि माला और पूजा मेरे घर के पास आए और उसे बोला कि रोड पर रखे तुम्हारे चद्दर हटाओं। उनको बोला कि मेरी सास व मेरे पति आए तो उनसे बात कर लेना। इसी बात को लेकर माला तथा पूजा ने गाली-गलौज की और विरोध करने पर उसके साथ में मारपीट कर दी। पति घर पर आये तो उनके साथ भी हाथ से मारपीट की है । वहीं दूसरे पक्ष से पूजा पटेल (34) निवासी आनंद नगर की शिकायत पर सुशीला तंवर, सोनू के खिलाफ केस दर्ज किया है। पूजा ने पुलिस को बताया कि मेरे घर के सामने चार- पांच दिनों से सुशीला तंवर की चद्दरे रखी थी। इस कारण आटो रिक्शा रखने में तकलीफ हो रही थी।

इंदौर 311 का मखौल उड़ाते खुद निगम कर्मचारी...

इंदौर निगम का निगम से लेकिन निगम सीमा में नहीं

संवाददाता ● इंदौर

जी हां, इंदौर नगर निगम का, नगर निगम द्वारा बनाया गया और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को पूरा करने के लिए बनाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाया गुलमर्ग परिसर ही नगर निगम झोनल क्रमांक 19 की सीमा में नहीं आता है। दरअसल, यह खुद इंदौर नगर निगम के झोनल क्रमांक 19 के सीएसआई हर्षित लोधी ने इंदौर नगर निगम की इंदौर 311 में दी गई जानकारी है, जिसके तहत खुद इंदौर नगर निगम इंदौर द्वारा बनाया गुलमर्ग परिसर उसकी सीमा में नहीं आता है।

काम से कतराना, दे दिया बहाना

दरअसल, इंदौर 311 पर गुलमर्ग परिसर ब्लॉक बी 11 निवासी रोहित कौशिक द्वारा शिकायत की गई थी कि गुलमर्ग परिसर में मच्छरों का आतंक है। आतंक जिस तरह का उसकी वजह से यहां रहने वाले सैकड़ों बच्चे, बूढ़े, और स्थानीय निवासी बीमार तक हो सकते हैं। इसलिए झोनल क्रमांक 19 द्वारा उक्त क्षेत्र में कीटनाशक दवाई का छिड़काव किया जाएगा तो कुछ हद तक रहवासियों को राहत मिलेगी, लेकिन उक्त शिकायत को लेकर झोनल क्रमांक 19 के ही सीएसआई हर्षित लोधी ने इंदौर 311 में उक्त क्षेत्र झोन 19 में नहीं आने का हवाला देते हुए उक्त शिकायत ही बंद कर दी, और अपने कार्य से इतिश्री कर ली।

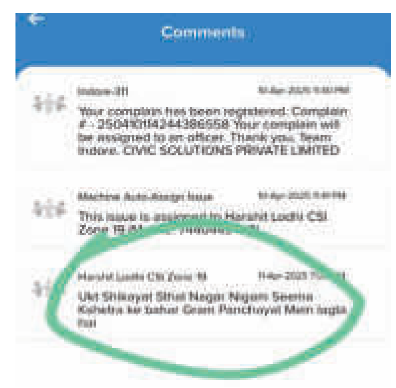

सीएसआई ने नहीं उठाया फोन

इधर, उक्त पूरे मामले को लेकर झोनल क्रमांक 19 के सीएसआई हर्षित लोधी से मातरम् इंडिया द्वारा फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन लगभग सभी अन्य अधिकारियों की उन्होंने भी फोन उठाना जरुरी नहीं समझा।

बिजली कंपनी ने थमाया निगम को 25 करोड़ का बिल

आर्थिक तंगी से जूझ रहे नगर निगम को बिजली कंपनी ने भी झटका दिया है। बिजली कंपनी ने नगर निगम पर बकाया करीब 25 करोड़ रुपए की राशि के लिए बिल थमा दिया है। बताया जा रहा है कि करीब 25 करोड़ रुपए की धनराशि में सबसे ज्यादा नगर निगम को जलूद पंपिंग स्टेशन पर इस्तेमाल की गई बिजली का बिल है। हालांकि बिजली कंपनी ने किसी प्रकार की कोई समय सीमा का फिलहाल उल्लेख नहीं किया है लेकिन फिर भी माना जा रहा है कि जल्द ही बड़ा अल्टीमेट नगर निगम को दिया जा सकता है। जानकारी अनुसार नगर निगम लंबे समय से आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहा है। एक और जहां टैक्स वसूली पर्याप्त रुप से नहीं हो पा रही है वहीं दूसरी ओर शासन से मिलने वाली चुंगी क्षतिपूर्ति में भी हर बार कुछ न कुछ कटौती हो रही है। इधर नगर निगम का कार्य करने वाले ठेकेदारों का भी नगर निगम पर भारी बकाया है। ऐसे में बिजली कंपनी ने भी करीब 25 करोड रुपए बकाया का बिल थमा दिया है। सूत्र बताते हैं कि निगम अधिकारियों को यह भी बताया गया है कि लंबे समय से निगम द्वारा बिजली कंपनी को भुगतान नहीं किया गया है इसलिए शीघ्र भुगतान की चेतावनी भी दी गई है। हालांकि इस चेतावनी का निगम अधिकारियों पर क्या असर पड़ता है यह तो समय ही बताया क्योंकि नगर निगम लंबे समय से देनदारी के बोझ तले दबा हुआ है।

एसी लग्जरी बसें दौड़ेंगी, बीआरटीएस पर बनेंगे 40 स्टॉप

संवाददाता ● इंदौर

सुविधा

इंदौर में एक तरफ जहां बीआरटीएस हटाने की तैयारी हो रही है, वहीं दूसरे रुटों पर लोक परिवहन बस की सुविधाएं बढ़ाने के लिए भी निर्णय लिए जा रहे है। एआईसीटीएसएल की बोर्ड बैठक में तय हुआ है कि इंदौर के कुछ रुटों पर लग्जरी एसी बसें चलाई जाएंगी। इसका किराया थोड़ा ज्यादा हो सकता है, लेकिन यात्रियों का सफर सुविधाजनक होगा। यह बसें इलेक्ट्रानिक होंगी।

इंदौर के पर्यटन स्थलों से जोड़ने वाले रुटों को इस पर चलाया जाएगा, ताकि इंदौर आने वाले यात्री इन बसों का इस्तेमाल कर सके। इसके अलावा शहर के नए रुटों पर भी बसों का संचालन किया जाएगा और व्यस्त रुटों पर यात्री बसों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। बैठक में एआईसीटीएसएल बोर्ड के उपाध्यक्ष दीपक सिंह, निदेशक एवं जिलाधीश आशीष सिंह, प्रबंध निदेशक एवं निगमायुक्त शिवम वर्मा, निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी आईडीए रामप्रकाश अहिरवार और एआईसीटीएसएल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांक सिंह मौजूद थे।

बीआरटीएस की बस लेन में बने बीस बस स्टॉपों को हटाया जाएगा। इसके बदले सड़क के दोनों तरफ चालीस नए बस स्टॉप बनेंगे। बीआरटीएस पर अब मिक्स लेन में बसों का संचालन होगा और वे इन नए बस स्टॉपों पर रुकेंगी। वर्तमान में जो बसें इंदौर के बीआरटीएस पर चलती हैं। उनके दरवाजे बस स्टॉप की ऊंचाई के हिसाब से डिजाइन किए गए हैं। उसका ध्यान भी नए बस स्टेशनों को बनाने में रखा जाएगा।

गैरेज में लगी भीषण आग, चार कार जली

इंदौर । वर्ल्ड कप चौराहा के पास एक चार पहिया गेराज में आग लग गई ।मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। लगी आग में चार कार जल गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दमकल मौके पर पहुंची और गैरेज में लगी आग पर पानी की बौछार कर काबू पाया गया। आग बुझाने में 4000 लीटर पानी का उपयोग किया गया। गैरेज मलिक करीम खान और पार्टनर जफर खान के मुताबिक आग लगने का कारण अज्ञात है। गैरेज में रिपेयरिंग के लिए आई चार गाड़ियां जल गई। इसी प्रकार देर रात बजे शिप्रा थाना क्षेत्र में एक दुकान में आग लग गई जिसे दमकल कर्मियों ने एक टैंकर पानी की मदद से बुझाया। आज में दुकान में रखा ऑटो पाट्‌र्स का सामान जल गया। आग लगने का कारण अज्ञात है।

गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स की शेष 153 दुकानों के नये टेंडर 20 अप्रैल को होंगे जारी

संवाददाता ● इंदौर

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दुकानों के आवंटन, किराया आदि को लेकर बैठक संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर (माफी अधिकारी) श्रीमती कल्याणी पांडे, संयुक्त आयुक्त श्रीमती सपना लोवंशी एवं स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों से श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दुकानों के आवंटन, किराया राशि जमा करने की कार्यवाही, एग्रीमेंट एवं अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया एवं किराया राशि जमा करने की प्रक्रिया समयावधि में पूर्ण करायें। बैठक में बताया गया कि दुकानों के लीज, एग्रीमेंट सम्पादन, किराया राशि जमा करने की अंतिम तारीख 31 मार्च थी, जिसे दुकानदारों के आग्रह पर बढ़ाकर इसे 15 अप्रैल किया गया था। अब तक मात्र 68 दुकानदारों ने ही किराया राशि लीज-एग्रीमेंट के लिए कार्यवाही की थी। नियमानुसार जिन दुकानदारों ने 15 अप्रैल तक निर्धारित राशि/ प्रीमियम राशि/ अमानत राशि/ प्रतिमाह

किराया की बकाया राशि का शत्-प्रतिशत भुगतान नहीं किया है, उनका आवंटन स्वमेय निरस्त माना जायेगा।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने संयुक्त कलेक्टर (माफी अधिकारी) श्रीमती कल्याणी पांडे को निर्देश दिए कि जिन 153 दुकानों के आवंटन नहीं हुए हैं, उनके नये टेंडर पुनः 20 अप्रैल को जारी किये जाये। साथ ही स्मार्ट सिटी आयुक्त को यह भी निर्देशित किया गया है कि गोपाल मंदिर के प्रांगण में पार्किंग व्यवस्था हेतु ¬ओएण्डएम (ऑपरेशन एण्ड मैनेजमेंट) तैयार किया जायेगा। यह भी निर्देशित किया गया कि श्री गोपाल मंदिर में सीसीटीवी कैमरे भी लगाये जायेंगे, जिससे उनका सीधा प्रसारण आईटीएमएस या कमॉड कंट्रोल सिस्टम कार्यालय पर हो सके।

अभा अग्रवाल महासभा के सेवा समर्पण अलंकरण कार्यक्रम में संत उत्तम स्वामी ने 21 बच्चों को भेंट की साइकिलें

मानव सेवा के लिए किया कर्म भी तीर्थ यात्रा या संतसेवा से कम नहीं : स्वामी

संवाददाता ● इंदौर

कार्यक्रम

दीन-दुखी, शोषित और पीड़ित मानवता की सहायता के लिए किया गया कर्म किसी तीर्थ यात्रा अथवा संत सेवा की तरह पुण्य देने वाला होता है। समाज में सभी तरह के लोग होते हैं, लेकिन प्रतिष्ठा और चर्चा उन्हीं की होती है, जो अपने पास मौजूद संपत्ति का एक हिस्सा परोपकार और परमार्थ के सेवा प्रकल्पों में निवेश करते हैं। हम स्वयं के हित के साथ दूसरों के बारे में भी चिंतन करें और जहां तक संभव हो, जरूरतमंदों को खुशियां बांटने का प्रयास करें तथा प्रतिदिन अपने सामर्थ्य के अनुसार एक मुट्ठी अनाज या एक रुपया भी दान करें तो कहीं और नहीं तो हमारे घर में तो राम राज्य की स्थापना हो ही जाएगी।

प्रख्यात संत और महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी महाराज ने आनंद नगर में अ.भा. अग्रवाल महासभा के तत्वावधान में आयोजित एक गरिमापूर्ण कार्यक्रम में जरूरतमंद 21 बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए साइकलें भेंट करने और समाजसेवा के क्षेत्र में यशस्वी योगदान देने वाले 16 समाजबंधुओं को सेवा समर्पण अलंकरण प्रदान करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। अ.भा. अग्रवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल की अध्यक्षता और राज्य के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में अनेक संत-विद्वान भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात अतिथियों का स्वागत अ.भा. अग्रवाल महासभा के मालवा प्रांत के अध्यक्ष अशोक गोयल, राष्ट्रीय महासचिव हरि अग्रवाल, संस्था समर्पण के संयोजक, सुरेश रामपीपल्या, ब्रजवासी, सुधीर अग्रवाल ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। संचालन किया दिव्या विजयवर्गीय ने। प्रारंभ में कार्यक्रम के सूत्रधार अशोक गोयल ने समाजसेवा के क्षेत्र में उनके द्वारा अर्जित उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए घोषणा की कि वे शहर के किसी भी जरूरतमंद बालक को शिक्षा के लिए साइकिल एवं अन्य मदद के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। मंत्री सिलावट ने भी गोयल के सेवा कार्यों की खुले मन से प्रशंसा की। शहर की दिव्यांग खेल प्रतिभा पूजा गर्ग का सम्मान कर उन्हें ओलंपिक खेलों में जाने के लिए गोयल ने 11 हजार रुपए की सहायता राशि भी भेंट की।

सेवा के क्षेत्र में योगदान करने वाले ये सम्मानित

सेवा के क्षेत्र में आयाम स्थापित करने वालों में अग्रवाल कन्या विद्यालय छावनी की पूर्व प्राचार्य और शिक्षाविद कृष्णकांता अग्रवाल, चित्तौड़ा वैश्य महाजन समाज के चंद्रप्रकाश गुप्ता को वैश्य एकता की दिशा में सार्थक प्रयास करने, समाज की 2500 महिलाओं को प्रतिमाह निःशुल्क राशन उपलब्ध कराने वाले सत्यनारायण गोयल, महिला और बालिकाओं को सशक्त बनाने में सहयोगी मालासिंह ठाकुर, शिशु रोग के क्षेत्र में निःशुल्क उपचार करने वाले डॉ. राजेन्द्र अग्रवाल, अ.भा. मेनारिया ब्राह्मण समाज के जसराज मेहता, गत 21 वर्षों से समाज के छात्र-छात्राओं को शिक्षा, हुकमचंद अग्रवाल, जरुरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने वाले अभिभाषक एवं हाईकोर्ट बार एसो. के सचिव लोकेश मेहता, उद्योगपति सचिन बंसल, सुनील अग्रवाल, धीरज गर्ग, संस्था सेवा सुरभि के ओमप्रकाश नरेड़ा, समाजसेवी पुरुषोत्तम सैनी तथा लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार करने में सहायक समाजसेवी जयदीप जोशी, सुल्तान-ए-एकता समिति के करीम खान एवं फिरोज खान को उत्तम स्वामी एवं मंत्री सिलावट ने शाल-श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने का समय आ गया है

ट्रम्प ने चीन पर 245% टैरिफ के साथ उस पर लगभग प्रतिबंध लगा दिया है। बीजिंग जवाबी कार्रवाई कर रहा है। 75 से ज्यादा देश किसी सौदे पर दस्तखत करके इस झटके से बचने की उम्मीद कर रहे हैं। रूबल आसमान छू रहा है। वैश्विक व्यापार-व्यवस्था में उथल-पुथल मची हुई है। यूरोप का कहना है कि जिस ह्यपश्चिमह्न को हम अब तक जानते थे, उसका अब कोई अस्तित्व नहीं है। इस सबके बीच भारत का प्रदर्शन कैसा है? भारत को इस उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता से कैसे निपटना चाहिए? क्या वह इस ट्रेड-वॉर को अपने लिए एक अवसर में बदल सकता है? अच्छी खबर यह है कि भारत शुरूआती झटके से पहले ही उबर चुका है। मुद्रास्फीति घटी है और बाजार फिर से अच्छा प्रदर्शन करने लगे हैं। बुरी खबर यह है कि विकास का पूवार्नुमान गिरा है। इसलिए, झटका तो लगेगा, लेकिन भारत इस झटके को कम करने के लिए बहुत कुछ कर सकता है। शायद वह इससे कुछ लाभ भी कमा सकता है। जेडी वेंस अपने परिवार के साथ अगले सप्ताह भारत आएंगे। ट्रम्प प्रशासन के सत्ता सम्भालने के बाद से नई दिल्ली में कई हाई-प्रोफाइल दौरे और मुलाकातें हुई हैं।

उन्होंने ट्रेड-डील सुरक्षित करने के लिए बातचीत के दौर को तेज कर दिया है। भारत की रणनीति ट्रम्प के साथ मिलकर काम करने की है, चीन की तरह उनसे लड़ने की नहीं। इसलिए निवेशक भारत को लेकर ज्यादा उत्साहित हैं। यह बात भारत के हित में है कि वह चीन या मेक्सिको की तरह निर्यात-संचालित अर्थव्यवस्था नहीं है। इसलिए टैरिफ का जोखिम भारत के लिए इनकी तुलना में कम ही रहने वाला था। साथ ही, भारत इस क्षेत्र में सबसे खराब टैरिफ से भी प्रभावित नहीं हुआ है। चीन की तुलना में- जिस पर 245% टैरिफ है- वियतनाम पर कुल मिलाकर 46% टैरिफ है, बांग्लादेश पर 37% है और भारत पर 26% है। व्यापार-वाताएं चाहे जैसी रहें, यह अंतर भारत के पक्ष में काम कर सकता है, विशेष रूप से तीन उच्च-मूल्य वाले उद्योगों- टेक्सटाइल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी में।विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रम्प के टैरिफ भारत के लिए नए दरवाजे खोल सकते हैं। उदाहरण के लिए, सेमीकंडक्टरों की आपूर्ति में, जिस पर फिलहाल ताइवान का वर्चस्व है। उसे 30% से अधिक टैरिफ का सामना करना पड़ा है। इसलिए यदि आपूर्ति-शृंखलाएं बदलती हैं तो भारत खुद को एक विकल्प के रूप में पेश कर सकता है। यह पैकेजिंग, टेस्टिंग और लो-एंड चिप निर्माण जैसी अपेक्षाकृत सुगम चीजों से शुरू कर सकता है। इसी तरह, मशीनरी और खिलौने जैसे क्षेत्रों में भी अवसर हैं, जिन पर अभी चीन का दबदबा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रम्प के टैरिफ भारत के लिए नए दरवाजे खोल सकते हैं। उदाहरण के लिए, सेमीकंडक्टरों की आपूर्ति में, जिस पर फिलहाल ताइवान का वर्चस्व है। उसे 30% से अधिक टैरिफ का सामना करना पड़ा है। इसलिए यदि आपूर्ति-शृंखलाएं बदलती हैं तो भारत खुद को एक विकल्प के रूप में पेश कर सकता है। यह पैकेजिंग, टेस्टिंग और लो-एंड चिप निर्माण जैसी अपेक्षाकृत सुगम चीजों से शुरू कर सकता है।

कारोबारी टैरिफ से बचने के लिए अपना माल कहीं और बनाने की कोशिश करेंगे। भारत अमेरिका के साथ रेयर-अर्थ खनिजों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भी सहयोग करना चाहता है। ये सेमीकंडक्टर, ईवी मोटर, लड़ाकू जेट, मिसाइलें, विंड टर्बाइन और यहां तक कि एलईडी लाइट जैसे कई महत्वपूर्ण उत्पादों में भी प्रमुख तत्व हैं। एक मायने में, ये भविष्य की धातुएं हैं। इनके उत्पादन पर चीन का लगभग एकाधिकार रहा है। वह सभी रेयर-अर्थ उत्पादों का 70% और रेयर-अर्थ मैग्नेट्स का 90% उत्पादित करता है। ये तत्व ईवी निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं। हाल ही में चीन ने अमेरिका को इनका निर्यात रोक दिया है। इससे अमेरिकी व्यवसाय ठप्प हो सकते हैं।क्या भारत इसमें कोई भूमिका निभा सकता है? सैद्धांतिक रूप से, हां। क्योंकि चीन और ब्राजील के बाद भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा रेयर-अर्थ भंडार है। वास्तव में, इनमें से अधिकांश धातुएं ह्यरेयरह्न नहीं हैं। ये पूरी दुनिया में पाई जाती हैं। समस्या उनको एक्स्ट्रैक्ट और प्रोसेस करने की है। भारत और अमेरिका इस पर सहयोग करने की उम्मीद कर रहे हैं। यह बात मोदी की हाल में व्हाइट हाउस यात्रा के दौरान सामने आई। दोनों पक्षों ने अवसरों का पता लगाने पर सहमति व्यक्त की। लेकिन इसमें समय लगेगा। और आज समय ही सबसे ज्यादा मायने रखता है।यही बात भारत को चीनी कारखानों का विकल्प बनाने पर भी लागू होती है।

संत वचन

आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है, मसीह में प्यारे भाइयों और बहनों, आज जब हम सबने पवित्र शास्त्र के वचनों को सुना, तो हम सभी को याद दिलाया गया कि हम में से हर एक को ईसाई होने के नाते, परमेश्वर के पवित्र और प्रिय लोगों के रूप में, अपने प्यारे परमेश्वर और उद्धारकर्ता, प्रभु की शिक्षाओं का पूरे दिल से पालन करना जारी रखना चाहिए, जिन्होंने अपने पुत्र, यीशु मसीह के माध्यम से हमारे प्रति अपना प्रेम प्रकट किया है, अपने प्रेम को हमारे प्रति पूर्ण रूप से और उस तरीके से प्रकट किया है जो हमारे लिए मूर्त और सुलभ है, ताकि हम उनके प्रेम और उद्धार से लाभान्वित हो सकें, और हम अपने जीवन की यात्रा में उनके हमेशा धैर्यपूर्ण मार्गदर्शन और सहायता के बारे में आश्वस्त हो सकें। परिणामस्वरूप, हमें भी अपने आप से सभी नकारात्मक भावनाओं को दूर रखने का प्रयास करना चाहिए।

अपने को वॉइस स्कैम्स से कैसे बचाएं?

दुचिंतित पिता रमेश कमरे में इधर-उधर टहल रहे थे, क्योंकि रात के 11 बजने पर भी बेटा वापस नहीं लौटा था। उन्हें फोन आया तो उन्होंने पूछा, तुम कहां हो? दूसरी तरफ से बेटे की आवाज आई, मैं खतरे में हूं। लेकिन तुरंत ही आवाज बदल गई और नई आवाज ने कहा, अगर अपने बेटे को सुरक्षित घर वापस लाना चाहते हो तो रुपए ७७७७७७ ट्रांसफर कर दो। रमेश बेटे से बात करने पर जोर देते हैं तो दोनों को 30 सेकंड बात करने दिया जाता है। दूसरी तरफ से आवाज बिल्कुल उनके बेटे जैसी थी और वो बहुत परेशान लग रहा था। आखिरकार, रमेश पैसे ट्रांसफर कर देते हैं। कुछ मिनट बाद बेचैन पिता अपने बेटे को उसके मोबाइल फोन पर कॉल करते हैं तो पाते हैं कि बेटा तो बिल्डिंग कंपाउंड में ही कुछ दोस्तों से बात कर रहा था। ठगी की बात सुनते ही वह तुरंत घर आता है। यह कुछ वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक काल्पनिक और संक्षिप्त कहानी है।

मैकएफी की एक रिपोर्ट में तो बहुत पहले ही बता दिया गया था कि सर्वेक्षण में शामिल आधे से ज्यादा भारतीय एआई और असली आवाज के बीच का अंतर नहीं जानते या नहीं बता सकते। इनमें से कुछ लोगों ने किसी तरह के एआई वॉइस स्कैम का अनुभव किया था, वहीं कई ऐसे लोगों को जानते थे, जिनके साथ ऐसा फरेब हुआ है। उस समय के वैश्विक औसत से अब एआई वॉइस स्कैम लगभग दोगुने हो चुके हैं। एआई टूल की लोकप्रियता और उपयोग में सरलता के चलते अब तस्वीरों, वीडियो और आवाज में हेरफेर करना आसान हो गया है। लोगों को निशाना बनाने के लिए एआई-संचालित आवाजों का उपयोग करने वाले साइबर अपराधी न केवल भारत बल्कि दुनिया भर में आम हो गए हैं। इसीलिए, धोखेबाजों से खुद को बचाना हमारी अपनी जिम्मेदारी बन गई है।

परिवार के भीतर एक कोड वर्ड बनाएं, जो केवल आपके परिजनों को ही पता हो। इसका उपयोग तब किया जा सकता है, जब कोई संदिग्ध कॉल आए। रमेश अपने बेटे से कोड वर्ड पूछ सकते थे। उन 30 सेकंडों में अगर वह कोड वर्ड नहीं बता पाता, तो रमेश फोन काट सकते थे और बेटे के मोबाइल पर कॉल कर सकते थे।

यदि आपके बच्चे आप पर आश्रित हैं, तो उनकी अनुमति से उनकी लोकेशन को ट्रैक करें। पूरी दुनिया में, परिवार अपने प्रियजनों की लोकेशन को ट्रैक करते हैं। यदि रमेश के बेटे (यानी जनरेटिव एआई वॉइस) का कहना था कि उसका किसी विशेष स्थान पर अपहरण कर लिया गया है, तो वे कॉल पर रहते हुए भी उसकी लोकेशन देख सकते थे। यदि रमेश ने यह देखा होता तो वे पाते कि उनका बेटा उनकी ही कॉलोनी में है। अगर किसी ऐसे व्यक्ति ने आपको कॉल पर ट्रैप कर लिया है, जो या तो आपका प्रियजन होने का दावा करता है या कहता है कि उसने आपके प्रियजन को बंधक बना लिया है तो अपने मैसेज ऐप पर जाकर वास्तविक व्यक्ति यानी अपने प्रियजन को टेक्स्ट करें।

एडिट.नोट

अगर आपको लगता है कि टैपिंग की आवाज स्कैमर को सचेत कर सकती है, तो आप रिंगर या अन्य ध्वनियों को शांत किए बिना अपने की-बटन्स की ऑडिबल साउंड सेटिंग्स को बंद कर सकते हैं। आप कंट्रोल सेंटर का उपयोग करके किसी आईफोन को जल्दी से साइलेंट कर सकते हैं। बस ऊपर दाईं ओर से नीचे की ओर स्वाइप करें। पुराने फोन में बाईं ओर एक स्विच होता है। अन्य फोन पर आप सेटिंग में साइलेंट मोड सक्षम कर सकते हैं। स्कैमर इसलिए सफल होते हैं क्योंकि वे डर पैदा करते हैं। तब हमारा मस्तिष्क स्पष्टता से सोच नहीं पाता। ऐसे में अपने अंगूठे और तर्जनी के बीच अपने हाथ की मालिश करें। इससे वेगस नर्व सक्रिय हो जाती है, जो पैनिक का मुकाबला करती है। गहरी सांस लेने से भी मदद मिलती है। फंडा यह है कि विशेष रूप से जनरेटिव एआई की मदद से ऑनलाइन स्कैमिंग की संख्या में वृद्धि के चलते अब हमारी सुरक्षा हमारे ही हाथों में है। अगर आपके पास सुरक्षा के लिए कुछ और नए आइडिया हैं, तो मुझसे शेयर करें।

विरग गुप्ता - लेखक

राज्यपालों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर 4 बातों को समझें

राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने संसद से पारित हिन्दू कोड बिल को स्वीकृति देने से इंकार कर दिया था। प्रधानमंत्री नेहरू ने कानूनी राय के लिए मामले को अटॉर्नी जनरल सीतलवाड़ के पास भेजा। असहमत होने के बावजूद प्रसाद ने अटॉर्नी जनरल की राय के अनुसार बिल को मंजूरी दे दी। तब, संविधान सभा में कानून मंत्री डॉ. आम्बेडकर ने कहा था कि संविधान की सफलता इसका संचालन करने वाले लोगों के आचरण और विवेकपूर्ण बर्ताव पर निर्भर रहेगी। लेकिन आज राज्यों और केंद्र की सरकारों के कामकाज में चुनावी समीकरण, धनकुबेरों के संरक्षण और हेडलाइन मैनेजमेंट का वर्चस्व बढ़ रहा है। तमिलनाडु चुनावों के पहले दक्षिणी राज्यों में परिसीमन, भाषा, आरक्षण और जाति सर्वेक्षण के मुद्दों की गूंज है। जबकि बंगाल के चुनावों के पहले वक्फ, रोहिंग्या और एनआरसी के मुद्दों को धार दी जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपालों ने जिन बिलों पर अड़ंगेबाजी की है, वे जनकल्याण के बजाय नियुक्तियों पर सियासी आधिपत्य से जुड़े हैं।

विधेयकों को राज्यपाल से समयबद्ध मंजूरी के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जुड़े 4 आयामों पर समझ जरूरी है : सरकार : सरकारिया और पुंछी आयोग ने राज्यपाल पद के दुरुपयोग को रोकने के लिए अनेक सुझाव दिए, जिन्हें पिछली सरकारों ने लागू नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से साफ है कि विपक्ष शासित राज्यों में ही राज्यपाल की शक्तियों का दुरुपयोग होता है। पार्टी और सरकार का फर्क तो इंदिरा गांधी के समय से ही खत्म होने लगा था। एकता-अखंडता के लिहाज से ह्यएक देश एक कानूनह्न का नारा अच्छा है। लेकिन डबल इंजन सरकार के बढ़ते चलन से विपक्ष शासित राज्यों में बेचैनी है। केंद्र-राज्य सम्बंधों पर करुणानिधि ने कमेटी बनाई थी। उसी तर्ज पर अब स्टालिन सरकार ने पूर्व जज की अध्यक्षता में कमेटी के गठन का ऐलान किया है। अनेक दशक बाद भी संविधान पर सियासी हितों को वरीयता लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक है।

राज्यपाल : फैसले से साफ है कि विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपाल, सलाहकार के बजाय बाधा डालने वाली मशीनरी के तौर पर काम कर रहे हैं। फैसले में संविधान और कानून के साथ गृह मंत्रालय के 9 साल पुराने आदेश का जिक्र है। उसके अनुसार निर्वाचित सरकार का सम्मान करते हुए विधानसभा से पारित बिलों को तीन महीने में राज्यपालों को मंजूरी देनी चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 141 के मुताबिक, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले देश के सभी न्यायालयों पर बाध्यकारी होते हैं। इसलिए इस फैसले की व्यवस्था को सबसे पहले अदालतों में लागू करने की जरुरत है, जिससे पीड़ित लोगों को समयबद्ध न्याय मिल सके।

अदालत : केंद्र सरकार के अनुसार राष्ट्रपति का पक्ष सुने बगैर यह आदेश गलत है। सुप्रीम कोर्ट में बहस के पहले अनेक कानूनी बिंदु मुद्दे निर्धारित हुए थे, जिन पर राज्यपाल की तरफ से अटॉर्नी जनरल ने बहस की थी। सिविल प्रोसिजर कोड के अनुसार यदि इस फैसले से राष्ट्रपति प्रभावित हो रहे थे तो सरकार ने कोर्ट में अर्जी क्यों नहीं लगाई? दिलचस्प बात यह है कि वक्फ, राज्यपाल, पूजा-स्थल और एनआरसी जैसे मामलों में राज्यों और केंद्र की सरकारें ह्यलग्जरी मुकदमेबाजीह्न पर सरकारी खजाने को लुटाने के साथ अदालतों का कीमती वक्त बर्बाद करती हैं। कानून के सामने जब सभी बराबर हैं तो आम जनता से जुड़े सभी मामलों में प्रभावित होने वाले सभी लोगों का पक्ष सुनने के बाद ही अदालतों से फैसला होना चाहिए। संविधान : सरकार की दलील है कि राज्यपाल और राष्ट्रपति को समय सीमा में बांधने के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बजाय संविधान में संशोधन का रास्ता होना चाहिए। यह फैसला प्रशासनिक दृष्टि से अच्छा है, लेकिन जजों को भी 4 संवैधानिक सीमाओं का ध्यान रखना चाहिए। पहला- केशवानंद भारती फैसले के अनुसार सुप्रीम कोर्ट को कानून निर्माण या संविधान संशोधन की शक्ति नहीं है। दूसरा- ऐसे मामलों में दो जजों के बजाय संविधान पीठ के 5 जजों के सामने सुनवाई होनी चाहिए। तीसरा- इंटरनेट रिसर्च और लॉ क्लर्क की मदद की वजह से लम्बे फैसले लिखने का चलन बढ़ गया है। यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फिजी के साथ पाकिस्तान के माध्यम से भारत की संवैधानिक व्यवस्था के विश्लेषण का प्रयास अप्रसांगिक होने के साथ गलत भी है। चौथा- सरकार की गलतियों को ठीक करने के लिए जजों को संरक्षक की भूमिका मिली है।

बिजनेस

खूबसूरत साड़ियों, कुर्तों, कुर्ता सेट, शिक टॉप एवं फ्लोई ड्रैसेज के साथ अपनी गर्मियों की वार्डरोब को दें नया लुक

तनाएरा ने लॉन्च किया समर सॉन्स, प्रकृति के स्वर और रंगों से प्रेरित हवादार कलेक्शन

मुंबई । दिन लम्बे हो रहे हैं और हवाओं में गर्मी बढ़ती जा रही है, इस बीच तनाएरा लेकर आए हैं समर सॉन्स एक कलेक्शन जो सूरज की रोशनी से जगमाते दिनों, हल्की हवाओं और प्रकृति के भव्य स्वर का सार है। इस कलेक्शन को उन महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया है जो भव्यता के साथ-साथ आराम का अनुभव भी पाना चाहती हैं। यह कलेक्शन हवादार कॉटन, मुलायम सिल्क, सिल्क कॉटन एवं हवादार ऑर्गेन्जा एवं कोटा का बेहतरीन संयोजन है जो भारत के बेहतरीन परिधानों की कलात्मकता के साथ बुना गया है।

गर्मियों से प्रेरित यह कलेक्शन मौसम के बदलते रंगों को सम्मान देता है। सूरज की सुनहरी रोशनी से भीगे पत्तों से लेकर समुंद्र की सतह के नीचे मौजूद कोरल गार्डन्स तक, इस कलेक्शन का पीस अपने आप में विविध होने के बावजूद भी मौसम के रंगों को दशार्ता है। कोमल पेस्टल, हरे-भरे रंग और जीवंत कोरल्स के साथ बेहतरीन प्रिंट एवं हैण्ड पेंट बुनाई की परम्पराओं को समृद्ध बनाते हैं और आपकी वार्डरोब को रोजाना के परिधानों से असाधारण परिधानों में बदल देते हैं।

इस कलेक्शन में ब्रीदेबल फैब्रिक से बने रैडी-टू-वियर परिधान और साड़ियां शामिल हैं, जिन्हें भव्यता एवं आधुनिकता के संयोजन के रूप में डिजाइन किया गया है। साड़ियों की बात करें तो इसमें राजस्थान के सांगानेरी ब्लॉक प्रिंट, बंगाल के मलमल और जामदानी बुनाई से सजी प्योर कॉटन की साड़ियां शामिल हैं जो रोजमर्रा के लिए बेहतरीन हैं। कोटा साड़ियों की भव्यता, हाथ से पेंट की गई मुर्शिदाबाद सिल्क, सिल्क कॉटन एवं ऑर्गेन्जा की लक्जरी, प्रिंट, कढ़ाई एवं हैण्ड पेंट के साथ हर मौके पर आपके खूबसूरती में चार चांद लगा देंगी, फिर चाहे आप इन्हें दिन के समय पहनना चाहती हैं या शाम की पार्टी में। साथ ही इसमें रैडी-टू-वियर कलेक्शन भी शामिल है जिसे आधुनिक महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। कढ़ाई और प्रिंट से सजे कॉटन के कुर्ते, स्टाइलिश कॉटन शॉर्ट टॉप, ट्युनिक एवं फ्लोई प्रिंटेड ड्रेसेज वर्कवियर या कैजुअल आउटिंग के लिए परफेक्ट हैं।इस लॉन्च पर बात करते हुए मिस अनिंदिता सरदार, हैड ऑफ डिजाइन, तनाएरा ने कहा, ह्यह्यगर्मियों का मौसम सहजता, तरलता और जीवंत ऊर्जा का मौसम हैं। हम अपने समर सॉन्स कलेक्शन के साथ ऐसे परिधान और साड़ियां लेकर आए हैं जो इसी सार की अभिव्यक्ति करते हैं। ब्रीदेबल फैब्रिक से बना यह कलेक्शन तय करता है कि आप गर्मी में भी सहज महसूस करें और ये परिधान गर्मियों में आपका साथी बन जाएं। इस तरह के कलेक्शन के साथ तनाएरा ने एथनिक वियर के बेहतरीन गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत बना लिया है। रु 1490 की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध यह कलेक्शन काम के लिए, रोजमर्रा के लिए और यहां तक कि सप्ताहान्त के लिए भी बेहतरीन है। इसका हर परिधान और हर साड़ी को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह सहजता के साथ सौंदर्य का शानदार संयोजन है। समर सॉन्स कलेक्शन की खरीददारी के लिए विजिट करें taneira.com या अपने नजदीकी तनाएरा स्टोर पर जाएं।

एसबीआई कार्ड और टाटा डिजिटल की टाटा न्यू एसबीआई कार्ड लॉन्च करने के लिए साझेदारी

नई दिल्ली। एसबीआई कार्ड, भारत के सबसे बड़े प्योर प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता, ने आज टाटा डिजिटल के साथ साझेदारी में टाटा न्यू एसबीआई कार्ड लॉन्च करने की घोषणा की। अपनी तरह का यह अनूठा लाइफस्टाइल को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड विभिन्न क्षेत्रों के जागरुक ग्राहकों के लिए एक प्रीमियम और अत्यधिक फायदेमंद वाली खरीदारी का अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस को-ब्रांडेड कार्ड को दो वेरिएंट टाटा न्यू इनफिनिटी एसबीआई कार्ड और टाटा न्यू प्लस एसबीआई कार्ड में लॉन्च किया गया है। ग्राहक सभी खर्चों पर रिवार्ड अर्जित करते हैं, चाहे ऑनलाइन हों या इन-स्टोर, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मर्चेंट आउटलेट्स पर न्यूकॉइन्स के रूप में, जिन्हें टाटा न्यू ऐप पर रिडीम किया जा सकता है।

इस लॉन्च के साथ, टाटा न्यू एसबीआई कार्ड के ग्राहक अब एक बेहतर खरीदारी अनुभव के लिए कई तरह के लाभों का आनंद ले सकते हैं। कार्डधारक टाटा न्यू इनफिनिटी एसबीआई कार्ड के साथ खर्च पर 10% तक और टाटा न्यू प्लस एसबीआई कार्ड के साथ खर्च पर 7% तक न्यूकॉइन्स के रूप में पुरस्कार का आनंद ले सकते हैं। ये मासिक रूप से कार्डधारक के टाटा न्यू ऐप के भीतर न्यूपास खाते में जमा किए जाते हैं। इन न्यूकॉइन्स को किराने का सामान, यात्रा बुकिंग, आभूषण, फैशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और फामेर्सी सेवाओं सहित उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला में ऑनलाइन और इन-स्टोर दोनों जगह भुनाया जा सकता है, जो ग्राहकों की विभिन्न जीवनशैली की जरूरतों को पूरा करता है।

यह को-ब्रांडेड कार्ड दैनिक भुगतानों पर भी रिवार्ड प्रदान करता है, जिसमें यूपीआई लेनदेन पर न्यूकॉइन्स में 1.5% तक का कैशबैक (रूपे वेरिएंट के साथ) और टाटा न्यू के माध्यम से किए गए बिल भुगतानों पर 5% तक का कैशबैक मिलता है। ग्राहक एसबीआई कार्ड स्प्रिंट के माध्यम से डिजिटल रूप से कार्ड के लिए नामांकन कर सकते हैं, एसबीआई कार्ड वेबसाइट स्इक उंश्ंङ्के पर जाकर, और चुनिंदा क्रोमा स्टोर्स पर एसबीआई कार्ड के रिटेल कियोस्क पर जाकर ऑफलाइन नामांकन का विकल्प भी चुन सकते हैं।

लॉन्च पर बोलते हुए, सुश्री सलिला पांडे, एमडी एवं सीईओ, एसबीआई कार्ड ने कहा, आज के युग में, बदलती प्राथमिकताओं के साथ, ग्राहकों की जीवनशैली की जरूरतें और अधिक विविध हो गई हैं। हम अपने ग्राहकों के जीवनशैली के अनुभवों को बढ़ाने के लिए टाटा डिजिटल के साथ साझेदारी करके खुश हैं।

दो और स्वतंत्र निदेशकों का इस्तीफा , सह-संस्थापकों के खिलाफ सेबी की कार्रवाई शुरू होने के बाद फैसला

नई दिल्ली। संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग के दो स्वतंत्र निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी के संस्थापक और उनके भाई के खिलाफ सेबी की कार्रवाई के बाद कंपनी से अब तक तीन लोग बाहर हो चुके हैं। नियामकों ने कंपनी के सह-संस्थापकों पर धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

कंपनी पर आरोप है कि उसने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़ी अपनी एक सहयोगी कंपनी के लिए निर्धारित धन का इस्तेमाल एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदने के लिए किया।भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इस सप्ताह अनमोल जग्गी और उनके भाई पुनीत को शेयर बाजार से प्रतिबंधित कर दिया। सेबी ने सौर ऊर्जा कंपनी जेनसोल की फोरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया, जिसने ब्लूस्मार्ट के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे थे।ब्लूस्मार्ट एक टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी है जिसे ऊबर का प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। इसकी सह-स्थापना अनमोल ने की थी, जो जेनसोल के प्रबंध निदेशक भी हैं। जेनसोल ने गुरुवार को कहा, ₹हर्ष सिंह और कुलजीत सिंह पोपली ने तत्काल प्रभाव से स्वतंत्र निदेशकों के पद से इस्तीफा दे दिया है।₹ इससे पहले कंपनी के एक अन्य स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने भी इस्तीफा दे दिया था।

पोपली ने अपने त्यागपत्र में कहा, ₹...जिस तरह से चीजें सामने आई हैं और प्रकाश में आई हैं, मैं स्वतंत्र निदेशक के रूप में बने रहने की स्थिति में नहीं हूं।₹ पोपली ने कहा, ₹मुझे उम्मीद थी कि कंपनी जो इतनी तेजी से बढ़ी है और जिसकी अच्छी प्रतिष्ठा और सद्भावना रही है, वह आगे भी बढ़ती रहेगी... और सामने आए गवर्नेंस संबंधी मुद्दों का समाधान किया जाएगा। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। ब्लूस्मार्ट ने गुरुवार को यह भी कहा कि उसने अपने एप पर ₹बुकिंग अस्थायी रूप से बंद करने₹ के निर्णय के साथ अपने परिचालन को निलंबित कर दिया है। जेनसोल, अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी ने सेबी के आरोपों पर फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है।

उत्तराखंड के चमोली जिले में 'हेमकुंड साहिब यात्रा' से पहले बर्फ हटाने के काम के लिए गोविंदघाट से हेमकुंट साहिब तक के ट्रेक मार्ग पर सेना द्वारा की गई टोह के बीच एक सेना अधिकारी हेमकुंट साहिब गुरुद्वारे में प्रार्थना करता है।

बोले- अपमानित होने नहीं आए, विधायक का भी मिला समर्थन

सीएम यादव से मिलने पहुंचे बड़े बीजेपी नेता को रोका...

संवाददाता ● भोपाल

सीएम

भाजपा नेताओं को नीमच में सीएम मोहन यादव से मिलने से रोका गया, जिससे वे नाराज हो गए। उन्होंने पुलिस को खूब खरी-खोटी सुनाई। नेताओं का कहना था कि उन्होंने ही मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक को बनाया है। पुलिस के इस रवैये से नीमच के विधायक भी नाराज हो गए और उन्होंने भी सीएम से मिलने से इनकार कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिस पर कांग्रेस नेता चुटकी ले रहे हैं। यह घटना उस समय हुई जब सीएम मोहन यादव गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के सिलसिले में नीमच पहुंचे थे। बुधवार की शाम करीब 6 बजे गृह मंत्री अमित शाह नीमच पहुंचने वाले थे। उनका दो दिन का दौरा तय था। इसी सिलसिले में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी नीमच पहुंचे थे। शाम करीब 5 बजे मुख्यमंत्री नीमच की हवाई पट्टी पर पहुंचे।

पुलिस ने इनको रोका

विधायक दिलीपसिंह परिहार, भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल और अन्य भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता सीएम से मिलने पहुंचे। इनमें भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य महेंद्र भटनागर और भाजपा नेता व नगरपालिका अध्यक्ष के ससुर संतोष चौपड़ा भी अपने समर्थकों के साथ सीएम का स्वागत करने पहुंचे। लेकिन पुलिस ने उन्हें गेट पर ही रोक दिया। इससे संतोष चौपड़ा और महेंद्र भटनागर नाराज हो गए। उन्होंने पुलिस को खरी-खोटी सुनाई।

विधायक भी समर्थन में आए

संतोष चौपड़ा ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) नवलसिंह सिसोदिया से कहा कि उनका तरीका गलत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक को हमने ही बनाया है, पुलिस हमें इस तरह अपमानित नहीं कर सकती! यह कहते हुए दोनों भाजपा नेता और उनके समर्थक वापस जाने लगे। यह देखकर विधायक दिलीपसिंह परिहार भी उनके समर्थन में उतर आए और बोले कि ठीक है मुझे नहीं मिलना, मैं भी बाहर आ रहा हूं। तब जाकर एएसपी ने उन्हें समझाया। इसके साथ ही थाना प्रभारियों व पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि नेताओं को गेट पर नहीं रोका जाए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कई कांग्रेस नेता इस वीडियो को अपने-अपने सोशल मीडिया पर भी शेयर कर रहे हैं।

शॉट न्यूज

एक युवक ने दूसरे को चांटा मारा

भोपाल। एक युवक द्वारा दूसरे युवा को चांटा मारना बहुत भारी पड़ गया। तमाचा मारने की कीमत उसे ऐसे चुकानी पड़ी की वह उसे हमेशा याद रखेगा। जिसके गाल पर यह थप्पड़ पड़ा था, उसने बदले की भावना से बाइक का आग लगा दी। यह बाइक उसी युवक की थी, जिसने कुछ दिन पहले थप्पड़ जड़ा था। हैरान करने वाला यह मामला भोपाल के टीला जमालपुरा क्षेत्र का है। यहां पर निगम कॉलोनी में रहने वाले युवक की बाइक को तीन बदमाशों ने आग के हवाले करके फूक दिया। जिस युवक की बाइक को जलाया गया है, पहले उसने आरोपियों में से एक को चांटा मार दिया था। इस घटना का बदला लेने की नीयत से वारदात कर दी गई। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनकी हेकड़ी निकालने के लिए जुलूस भी निकाला।

हाथ में लिखा है- 'दुल्हन के पापा', जोर-जोर से रो रहा शख्स

खंडवा। खंडवा जिले के पद्म नगर थाना क्षेत्र से एक भावुक कर देने वाला मामला सामने आया है। शादी की खुशियों के बीच एक पिता का दुख हर किसी को झकझोर रहा है। बेटी की शादी से एक दिन पहले उसके गहनों की चोरी हो गई। इस घटना ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में लड़की के पिता फूट-फूटकर रोते हुए नजर आ रहे हैं। उनके हाथ पर मेंहदी से लिखा था- "दुल्हन के पापा"। वीडियो में वह पुलिस को बताते हैं कि यह वही हाथ है जिस पर बेटी ने प्यार से मेंहदी लगाई थी। अब उसी हाथ से वह चोरी की शिकायत दर्ज करा रहे हैं। घटना 16 अप्रैल की है। शादी की रस्में उमिया भवन में चल रही थीं। दुल्हन जब कमरे में कपड़े बदलने गई तो देखा कि गहनों का बैग गायब है। कमरे का ताला टूटा हुआ था।

उज्जैन में 60 दिन चलेगा सिंहस्थ

उज्जैन। मध्य प्रदेश में स्थित भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन की शिप्रा नदी किनारे साल 2028 में आयोजित होने वाले वाले सिंहस्थ की टाइमलाइन यानी कि तारीखों का ऐलान शुरू कर दिया गया है। इस बार का सिंहस्थ दो महीने का होगा। यानी कि पूरे 60 दिन तक चलेगा। 2028 के 27 मार्च से 27 मई तक शिप्रा नदी के किनारे सिंहस्थ चलेगा। वहीं 9 अप्रैल से 8 मई के बीच 3 अमृत स्नान होंगे, जबकि 7 स्नान पर्व होंगे। हालांकि पिछली बार का सिंहस्थ केवल एक महीने ही चला था। बता दें कि उज्जैन में हर 12 साल में एक बार सिंहस्थ आयोजित होता है, जिसमें दुनियाभर से साधु-संत पहुंचते हैं। राज्य की मोहन सरकार ने अनुमान लगाया है कि करीब 14 करोड़ श्रद्धालु सिंहस्थ में हिस्सा लेने के लिए उज्जैन पहुंच सकते हैं। सिंहस्थ में अभी 35 महीने बाकी हैं। ऐसे में सड़क, पुल और बिजली जैसी व्यवस्था को बेहतर करने के लिए अधिकारियों को बहुत मेहनत करनी होगी।

सिर पर ऑफिसर की टोपी, कंधे पर स्टार, महंत से ढाई करोड़ की ठगी

संवाददाता ● ग्वालियर

ठगी

मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में ढाई करोड़ की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठग ने खुद को नागपुर पुलिस का अधिकारी बताकर ग्वालियर के रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव से अलग-अलग खातों में पैसा ट्रांसफर करवा कर करीब ढाई करोड़ की ठगी कर ली है, जिसकी शिकायत पर क्राइम ब्रांच पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

ग्वालियर क्राइम ब्रांच थाना में रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव सुप्रदिप्तानंद द्वारा आवेदन दिया गया था, जिसमे उन्होंने बताया, '17 मार्च को उनके व्हाट्सएप पर एक वीडियो कॉल आया था। इस दौरान ठग नासिक पुलिस अधिकारी बनकर उनके सामने वीडियो कॉल पर आया और ठगी की वारदात को अंजाम दिया। वीडियो कॉल के दौरान ठग ने कहा

था कि मेरे अकाउंट से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लेन-देन की गई है और इसमें मेरा भी लिंक मिला है।' सचिव ने पुलिस को बताया कि उन्होंने ऐसा कोई भी ट्रांजैक्शन नहीं किया है और ना ही इस प्रकार के उनके अकाउंट के जरिए ट्रांजैक्शन किया गया है। ठगों के द्वारा वेरिफिकेशन के नाम पर उनके आधार कार्ड और अकाउंट नंबर का डिटेल पूछा गया और फिर उनके अकाउंट की कॉपी उनको भेजी गई। उनके मोबाइल पर बोला गया कि आपको समन जारी किया गया है और आप गिरफ्तार हो जाएंगे और फिर लगातार उनको फोन लगाकर जांच में सहयोग करने पर मदद का भरोसा दिया। फ्रॉड करने वालों ने कहा, 'आप जमानत की राशि जमा कर दें और जमानत की राशि आपको 3 दिन बाद वापस हो जाएगी तो उनसे करीब 2 करोड़ 50 लाख रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कराई गई। इस संबंध में अपराध पंजीबद्ध किया गया है। विभिन्न धाराओं में प्रकरण में विवेचना की जा रही है।

हिंदुओं को एक करने के लिए फिर पदयात्रा पर निकलेंगे बाबा बागेश्वर

रतलाम। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री एक बार फिर सनातन धर्म के समर्थन में सड़क पर उतरने जा रहे हैं। इस बार उनकी पदयात्रा दिल्ली से शुरू होकर वृन्दावन तक पहुंचेगी। इसका उद्देश्य भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना, जातिगत भेदभाव को मिटाना और हिंदू समाज को एक सूत्र में जोड़ना है। मिली जानकारी के अनुसार, यह यात्रा 20 अक्टूबर से प्रारंभ होगी और इसे 'सनातन जोड़ो यात्रा' नाम दिया गया है। यात्रा करीब 140 किलोमीटर लंबी होगी और 8 दिनों तक चलेगी। बाबा बागेश्वर का कहना है कि वे इस यात्रा के माध्यम से देशभर के हिंदुओं को एकजुट करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, 'हम पदयात्रा इसलिए निकाल रहे हैं कि भारत हिंदू राष्ट्र हो, देश से छुआछूत मिट जाए और हिंदू एक हो जाए।' साथ ही बाबा ने यह भी कहा कि "आज कल जगह-जगह हिंदुओं को डराया जा रहा है, अगर हिंदू डर जाएगा, तो उसे भारत छोड़ना पड़ेगा, इसलिए हम जगह-जगह जाकर हिंदुओं को जगाने का काम कर रहे हैं। हमें रंगों से कोई दिक्कत नहीं है, पर कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे। अगर भारत को पाकिस्तान बनाने की कोशिश की जाएगी तो ठठरी और गठरी दोनों बांधी जाएगी।" उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, 'मुर्शिदाबाद में प्रायोजित हिंसा हो रही है, हिंदुओं की मॉब लिंचिंग की जा रही है और उन्हें डराने की कोशिशें की जा रही हैं।' बाबा बागेश्वर ने आरोप लगाया कि "जगह-जगह हिंदू यात्राओं पर पत्थर फेंके जा रहे हैं, लेकिन लोग भूल रहे हैं कि इस देश में अब बागेश्वर बाबा भी हैं।"

रेल यात्रियों के लिए बड़ी मुश्किल

26 ट्रेनें अप्रैल और मई में रहेंगी कैंसल

संवाददाता ● भोपाल

सूचना

उत्तर पूर्व रेलवे के गोरखपुर मंडल के अंतर्गत तीसरी लाइन के इंटरलाकिंग कार्य के चलते ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। इस कारण भोपाल मंडल से गुजरने वाली 26 ट्रेनों को अलग-अलग तिथियों में निरस्त किया है। रेलवे प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार ये ट्रेनें 17 अप्रैल से 7 मई तक अलग-अलग दिनों में निरस्त रहेंगी। प्रभावित ट्रेनों में पुणे, कोचुवेली, सिकंदराबाद, यशवंतपुर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, ओखा, पनवेल, बांद्रा टर्मिनस तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस जैसे गंतव्यों से चलने वाली प्रमुख लंबी दूरी की ट्रेनें शामिल हैं।

ये ट्रेनें रहेंगी कैंसल

पुणे-गोरखपुर तीन मई, गोरखपुर-कोचुवेली 27 अप्रैल, 1, 2, 4 मई, कोचुवेली-गोरखपुर 30 अप्रैल, 4, 6, 7 मई, गोरखपुर-सिकंदराबाद 30 अप्रैल। सिकंदराबाद-गोरखपुर एक मई। गोरखपुर-यशवंतपुर 26 अप्रैल। सिकंदराबाद-गोरखपुर 28 अप्रैल। गोरखपुर-एलटीटी 22 एवं 29 अप्रैल। एलटीटी-गोरखपुर 23, 30 अप्रैल। एलटीटी-गोरखपुर 27 अप्रैल से तीन मई। गोरखपुर-एलटीटी 27 अप्रैल से तीन मई। गोरखपुर-यशवंतपुर 22 व 29 अप्रैल। यशवंतपुर-गोरखपुर 24 अप्रैल व एक मई। गोरखपुर-पुणे 24 अप्रैल व एक मई। पुणे-गोरखपुर 26 अप्रैल व तीन मई। गोरखपुर-ओखा 24 अप्रैल व एक मई। ओखा-गोरखपुर 27 अप्रैल व चार मई तक निरस्त रहेगी।

इधर... मौसम साफ, फिर भी देरी से चल रहीं ट्रेनें

भोपाल में गुरुवार को रेलवे यात्री मौसम साफ होने के बावजूद परेशान हुए। कई प्रमुख ट्रेनें 30 मिनट से लेकर 2 घंटे तक की देरी से भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचीं। वहीं, कुछ ट्रेनों की लेटलतीफी तो 3 से 6 घंटे तक दर्ज की गई, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। स्टेशन पर यात्रियों की खासी भीड़ देखने को मिली, लेकिन जानकारी के अभाव और ट्रेनों के अनिश्चित आगमन समय ने उनकी परेशानी को और बढ़ा दिया। यात्रियों ने शिकायत की कि प्लेटफार्म पर ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान के संबंध में समय पर कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की जा रही थी, जिससे उन्हें घंटों तक दुविधा में रहना पड़ा।

सरकारी स्कूलों में "अयोग्य' बन गए टीचर, योग्य भटकने को मजबूर!

एमपी में अब भी 70 हजार शिक्षक पद खाली

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बच्चों का भविष्य दांव पर है। एक तरफ स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है, तो दूसरी तरफ योग्य और शिक्षित युवा नौकरी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। प्रदेश में चल रही शिक्षक भर्ती प्रक्रिया ऊंट के मुंह में जीरे जैसी है, जो न बच्चों की जरूरतें पूरी कर रही है, न ही युवाओं के सपनों को पंख दे रही है। आइए, इस खबर को करीब से समझते हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश में शिक्षक पदों पर कुल 10,756 रिक्तियों के लिए भर्ती परीक्षा शुरू होने वाली है। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) 20 अप्रैल 2025 से प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा शुरू करेगा। प्रदेश के 13 शहरों में होने वाली इस भर्ती परीक्षा में 1.50 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के शामिल होने की उम्मीद है। परीक्षा दो शिफ्ट आयोजित की जाएगी। मध्य प्रदेश

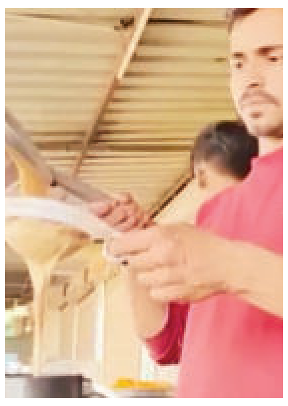

के स्कूलों की स्थिति चिंताजनक है। आगर मालवा जिले के चांचली बल्डी प्राथमिक स्कूल में सिर्फ एक बच्चा और एक शिक्षक हैं। सुनने में लगता है कि सरकार ने बच्चे के लिए शिक्षक रखा, लेकिन यह तस्वीर पूरे प्रदेश की हकीकत बयां करती है। आगर मालवा के ही मदनखेड़ा स्कूल में छठी से आठवीं तक 50 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन एक भी स्थायी शिक्षक नहीं है। पढ़ाई का जिम्मा अस्थायी शिक्षकों या अतिथि शिक्षकों के हवाले है। भोपाल से 15 किलोमीटर दूर रातीबड़ का सरकारी स्कूल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के भरोसे चल रहा है। उनके पास बीएड या राज्य शिक्षक पात्रता नहीं है। शिक्षकों की कमी को ढकने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता स्कूलों में पढ़ाने पर मजबूर किया जा रहा है। बैतूल में पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं एक अकेला शिक्षक संभालता है। सिवनी जिले में तो एक ही कमरे में पांच कक्षाएं चल रही हैं।

सात साल में 35,266 शिक्षक भर्ती, गेस्ट टीचर्स के कंधों पर शिक्षा व्यवस्था

आंकड़े और भी चौंकाने वाले हैं, प्रदेश के 47 जिलों में 6,858 स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। 46 जिलों के 1,275 स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है। पूरे मध्य प्रदेश में करीब 90 हजार शिक्षक पद खाली हैं। इस साल नई भर्ती के बाद भी करीब 70 हजार पद खाली रह जाएंगे। वहीं 2018 से अब तक सात साल में 35,266 पदों पर भर्ती हुई हैं। स्कूलों में 72 हजार अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। इन आंकड़ों से साफ है कि मध्य प्रदेश के लाखों बच्चों का शिक्षा का अधिकार छिन रहा है।

विकसित भारत @2047: जनजातीय जीवन और प्रकृति पर आधारित डॉक्युमेंट्री फिल्मों का होगा प्रदर्शन

लक्ष्य में वनों की भूमिका पर करेंगे मंथन : सीएम

संवाददाता ● इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय वन-पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापन, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आज दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे।

आयोजन

नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित होने वाली कार्यशाला में विकसित भारत @2047 के लक्ष्यों में वनों की भूमिका पर मंथन होगा। कार्यशाला में प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ। कुंवर विजय शाह स्वागत उद्बोधन देंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की रूपरेखा डॉ. राहुल मूँगीकर प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर जनजातीय समुदाय और प्राकृतिक संरक्षण पर केंद्रित ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति भी दी जाएगी।

राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन राज्यपाल मंगुभाई पटेल समापन सत्र को करेंगे संबोधित

राज्यपाल मंगुभाई पटेल राष्ट्रीय कार्य शाला के समापन-सत्र में मुख्य अतिथि होंगे। पूर्व राष्ट्रीय जनजातीय आयोग अध्यक्ष हर्ष चौहान समापन वक्तव्य देंगे। कार्यशाला में वनीकरण, जलवायु संवेदनशीलता और वनवासी समुदायों की समावेशी भागीदारी पर केन्द्रित डॉक्युमेंट्री फिल्मों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण में वनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह कार्यशाला वनों, जैव विविधता, प्राकृतिक संसाधनों और जनजातीय आजीविका को केंद्र में रखते हुए एक सतत और न्यायसंगत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रमुख विषय : वन संरक्षण, पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक प्रबंधन

राष्ट्रीय कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में वन संरक्षण की वर्तमान कानूनी व्यवस्थाएं, उनकी सीमाएं और समाधान, जैव विविधता संशोधन अधिनियम-2023, सामुदायिक वन अधिकार, पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण और वन पुनर्स्थापन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। बैंगलुरु से आ रहे प्रो। रमेश विशेषज्ञ वक्तव्य भी देंगे। कार्यशाला में डॉ. योगेश गोखले, डॉ. राजेन्द्र दहातोंडे आदि वक्ता विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे।

'केसरी 2' की स्क्रीनिंग में उमड़े सितारे, ट्विंकल संग स्टाइलिश अंदाज में दिखे अक्षय कुमार

साड़ी में अनन्या ने लूटी लाइमलाइट, काजोल भी हुईं स्पॉट

अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे की केसरी 2 आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। उससे पहले बीते दिन मुंबई में फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई थी जिसमें बीटाउन के तमाम सेलेब्स एक से बढ़कर एक लुक में पहुंचे थे। केसरी 2 में अहम रोल प्ले कर रहे अक्षय कुमार फिल्म की स्क्रीनिंग में बीवी ट्विंकल संग पहुंचे थे। इस दौरान अक्षय सूट बूट में हैंडसम लग रहे थे। वहीं ट्विंकल खन्ना भी स्टाइलिश आउटफिट में नजर आईं। इस जोड़ी ने रेड कार्पेट पर पैप्स को जमकर पोज भी दिए। वहीं केसरी 2 की स्क्रीनिंग में अनन्या पांडे ने पर्पल साड़ी में सारी लाइमलाइट लूट ली। एक्ट्रेस ने सिल्वर बॉर्डर वाली प्लेन पर्पल कलरी की साड़ी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने हैवी वर्क वाला स्लीवलेस ब्लाउज पेयर किया था। अनन्या ने अपने बालों का ज़ूड़ा बनाया था और ग्लॉसी मेकअप किया हुआ था। इस लुक में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत लग रही थीं। वहीं केसरी 2 की स्क्रीनिंग में काजोल भी पहुंची थईं। काजोल इस दौरान येलो कलर के सूट में प्यारी लग रही थीं। काजोल और अनन्या ने एक साथ पैप्स के लिए फोटो भी क्लिक कराईं। वहीं केसरी 2 की स्क्रीनिंग में उर्मिला मातोंडकर व्हाइट कलर के आउटफिट में पहुंची थीं और वे काफी ग्लैमरस लग रही थीं। फेमस ड्रेस डिजाइनर मनीष मल्होत्रा भी ऑल ब्लैक लुक में केसरी 2 की स्क्रीनिंग में स्पॉट हुए। वहीं किम शर्मा भी येलो क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग बॉटम पहने केसरी 2 की स्क्रीनिंग में स्पॉट हुईं। इस दौरान टाइगर श्रॉफ भी काफी स्टाइलिश अंदाज में स्पॉट हुए। व्हाइ टीशर्ट के साथ ब्लैक पैंट और चश्मा लगाए टाइगर डैशिंग लग रहे थे। अपनी बेटी अनन्या की फिल्म को सपोर्ट करने के लिए चंकी पांडे भी केसरी 2 की स्क्रीनिंग में पहुंचे थे। अपनी बेस्टी अनन्या पांडे की फिल्म को सपोर्ट करने के लिए सुहाना खान भी केसरी 2 की स्क्रीनिंग में पहुंची थीं। वन शोल्डर ब्लैक ड्रेस में सुहाना बेहद हसीन लग रही थीं। केसरी 2 की स्क्रीनिंग में आर माधवन भी स्टाइलिश अंदाज में पहुंचे थे।

संजय दत्त बोले- आज की यंग जेनरेशन के कलाकारों के पास बहुत सी सुविधाएं...

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त की अपकमिंग हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूतनी' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच एक्टर ने पिछले दशकों में फिल्म इंडस्ट्री में आए बदलाव पर बात की। उनका का मानना है कि उनके समय में इतनी सुविधाएं नहीं होती थीं, जितनी आज के समय में एक्टर्स को मिली हुई हैं। संजय दत्त ने कहा, 'फिल्म में सभी यंग एक्टर्स बेहद टैलेंटेड हैं और उन्हें इसलिए चुना गया है, क्योंकि उन्होंने ऑडिशन में अच्छा प्रदर्शन दिया। आज के सितारों को यह फायदा है कि उनके पास एक तैयार की गई स्क्रिप्ट होती है और उनके डायलॉग उन्हें पहले ही बता दिए जाते हैं।' फिल्म में मौनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी और आसिफ खान भी लीड रोल में हैं। उन्होंने आगे बताया, 'हमारे पास वह सुविधा नहीं थी। आज के समय में इंडस्ट्री बहुत अलग तरीके से काम करती है। आज के एक्टर्स के पास बहुत सी सुविधाएं हैं, चाहे वह शॉट्स के बीच वैनिटी वैन में आराम करना हो या कुछ और, हम अपने समय में बहुत अलग तरीके से काम करते थे।' इससे पहले संजय दत्त ने 'द भूतनी' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अपने 'भाई' और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ अपकमिंग फिल्म में काम करने को लेकर कन्फर्म किया। एक्टर ने यह भी बताया कि यह फिल्म एक एक्शन मनोरंजक फिल्म होगी। इस बीच, 'द भूतनी' के निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला ट्रैक 'महाकाल महाकाली' रिलीज किया। 'द भूतनी' को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले दीपक मुकुट, संजय दत्त ने प्रड्यूस किया है। हुनर मुकुट और मान्यता दत्त फिल्म के को- प्रोड्यूसर हैं। फिल्म इसी साल 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्रेकअप के बाद फिर तारा सुतारिया की लाइफ में हुई प्यार की एंट्री, रैपर बादशाह को कर रहीं डेट?

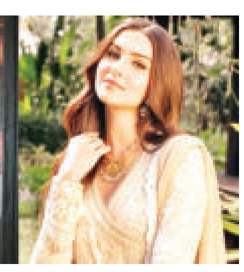

तारा सुतारिया अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर ज्यादा सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस एक बार फिर चर्चा में हैं। दरअसल इस बार रैपर बादशाह के साथ उनके लिंकअप के रूमर्स फैल गए हैं। हालांकि ये अफवाहें तब शुरू हुई जब शिल्पा शेट्टी ने एक रियलिटी शो में तारा और बादशाह के कथित रिश्ते के बारे में एक बड़ा हिंट दिया। उन्होंने तारा का नाम लेकर बादशाह को मज़ाकिया अंदाज़ में चिढ़ाया, जिससे वह शरमा गए और अटकलों को और हवा मिल गई। तारा पहले अभिनेता आधार जैन के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन दोनों का ब्रेकअप हो गया था। दरअसल तारा और बादशाह के अफेयर के रूमर्स इंडियन आइडल 15 के सेट से फैले। जज शिल्पा शेट्टी ने बादशाह को तारा का नाम लेकर छेड़ा था। दरअसल शिल्पा ने कहा था,'बादशाह मैंने सुना है कि दिन में भी तारे देख रहे हैं आप। तारा देख रहे हैं आप। अरे, 90 के दशक का दौर हम लोग सेलिब्रेट कर रहे हैं, एक गाना याद आया मुझे खास तौर पर सिर्फ आप के लिए। 'टन टना टन टन टन टन टन तारा,चलती है क्या 9 से 12?' यही गाना गा रहे हैं ना आप, तुम लाल क्यों हो गए हो?' वहीं शिल्पा शेट्टी की बातें सुनकर बादशाह ब्लश करने लगे, जिससे उनके और तारा सुतारिया के बीच रोमांस की अटकलें तेज हो गई हैं। बता दें कि तारा सुतारिया पहले अभिनेता आदर जैन के साथ रिलेशनशिप में थीं। हालांकि ये जोड़ी नवंबर 2023 में अलग हो गईं थी। वहीं इस साल आदार ने अलेखा आडवाणी के साथ शादी कर ली थी। वहीं तारा सुतारिया के अरुणोदय सिंह के साथ डेटिंग की अफवाह भी फैली थी, हालांकि, अभी तक इस पर कोई पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि तारा ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'मरजावां', 'हीरोपंती 2', 'एक विलेन रिटर्न्स' और थ्रिलर फिल्म 'अपूर्वा' में नजर आईं। उन्होंने अजय भूपति द्वारा निर्देशित 'तड़प' में अहान शेट्टी के साथ भी काम किया था।

मुंबई की सड़कों पर पति संग रोमांटिक हुई अंकिता लोखंडे

फ्लोरल ड्रेस पहन दिए ऐसे पोज

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन टीवी की दुनिया के पॉपुलर कपल्स में से एक हैं। जो हर दिन किसी ना किसी वजह से चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में दोनों मुंबई की सड़कों पर एक-दूसरे संग रोमांटिक होते दिखे। अंकिता लोखंडे अपने काम के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी खासी एक्टिव हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने पति विक्की के साथ कई तस्वीरें शेयर की। अंकिता और विक्की का ये फोटोशूट उनके शो 'लाफ्टर शेफ्स' की शूटिंग के दौरान की है। तस्वीरों में दोनों स्टाइलिश लुक में दिखे। कपल इन फोटोज में कभी एक-दूजे संग डांस करता दिखा तो कभी रोमांटिक पोज देता हुआ नजर आ रहा है। एक्ट्रेस ने फोटोज शेयर करते हुए लिखा कि, 'तुम सच में मुझे सुरक्षित रखते हो, और मैं इसके लिए आभारी हूं। मेरा स्वर्ग बनने के लिए धन्यवाद। मैं तुमसे इतना प्यार करती हूं जितना तुम कभी नहीं जान पाओगे।' अंकिता और विक्की की ये तस्वीरें अब तेजी से वायरल हो रही हैं। जिसमें उनकी केमिस्ट्री यूजर्स को खूब भा रही है। एक्ट्रेस ने एक-दूजे संग लव मैरिज की थी। दोनों की शादी मुंबई में बहुत ग्रैंड लेवल पर हुई थी। जिसमें करोड़ों रुपए खर्च हुए थे। इन दिनों विक्की और अंकिता टीवी के कुकिंग रिएलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स' में नजर आ रहे हैं। जहां दोनों को कई बार अच्छी कुकिंग के लिए स्टार भी मिल चुका है।

'हमेशा फायदा उठाने की' डांसिंग क्वीन का छलका दर्द

याद आए स्ट्रगल के दिन, बोलीं- 'लोग पूछते थे बदले में क्या दोगी ?'

एक्ट्रेस और डांसिंग की क्वीन नोरा फतेही ने बॉलीवुड में 10 साल का सफर तय कर लिया है। 2014 में आई फिल्म 'फगली' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली नोरा फतेही ने 10 साल में एक खास मुकाम बनाया है और डांसिंग क्वीन बन गईं हैं। अब तक के करियर में 44 से ज्यादा फिल्में और गाने करने वाली नोरा फतेही ने हाल ही में अपने स्ट्रगलिंग के दिनों को याद किया है। जिसमें नोरा ने बताया कि कैसे लोग उन्हें काम दिलाने का भरोसा देकर फायदा उठाने की फिराक में रहते थे। नोरा ने बताया कि एक फिल्म मेकर ने तो यहां तक कह दिया था कि मैं तुम्हें बॉलीवुड की अगली कैटरीना कैफ बना दूंगा, लेकिन इसके बदले मुझे क्या मिलेगा।

नोरा फतेही ने हाल ही में फिल्म क्रिटिक्स राजीव मसंद को इंटरव्यू दिया है। जिसमें उन्होंने अपने स्ट्रगलिंग के दिनों को याद कर कई कहानियां बताई हैं। नोरा बताती हैं, 'जब मैं कनाडा से मुंबई आई तो केवल 22 साल की थी। अगर आज कोई मेरे पास कुछ काम लेकर आता है तो मैं उससे पूछती हूं कि तुम मुझे क्यों काम ऑफर कर रहे हो। तुम्हें मुझसे क्या चहिए। इस दौर में कोई भी किसी के लिए फ्री में कुछ नहीं करता। लेकिन तब ऐसा नहीं था। स्ट्रगलिंड के दिनों में मैं ये मानती थी कि कोई आया है तो इसे भगवान ने मेरे लिए भेजा है। मैंने अपने करियर के शुरुआत में कई बेवकूफ लोगों को फॉलो किया है। उनमें से कई लोगों ने मुझसे सीधे फेवर मांगा। साथ ही कई लोगों ने यहां तक कहा कि मैं तुम्हें बॉलीवुड की अगली कैटरीना कैफ बना दूंगा, लेकिन इसके बदले मुझे क्या मिलेगा।' नोरा फतेही ने लंबे समय तक स्ट्रगल किया और अपनी जगह बनाई। नोरा फतेही ने सबसे पहले एक्टिंग में हाथ आजमाया। लेकिन अंग्रेजी एक्सेंट के कारण एक्टिंग में लोगों को प्रभावित नहीं कर पाईं। इसके बाद नोरा फतेही ने अपनी अदाओं का जलवा दिखाया। नोरा ने अपने डांस से लोगों को दीवाना बनाया और कई आइटम सॉन्गस में समां बांधा। नोरा को डांसिंग क्वीन बनने में ज्यादा समय नहीं लगा। नोरा के डांस की दीवानगी आज भी लोगों के सिर चढ़कर बोलती है। डांस के साथ नोरा अब फिल्मों में भी काम करती नजर आती रहती हैं। नोरा फतेही अब तक 44 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकी हैं।

ऐसी फिल्में देखते हैं अर्जुन कपूर

खुद बताया- पास में हैं 1000 से ज्यादा डीवीडी

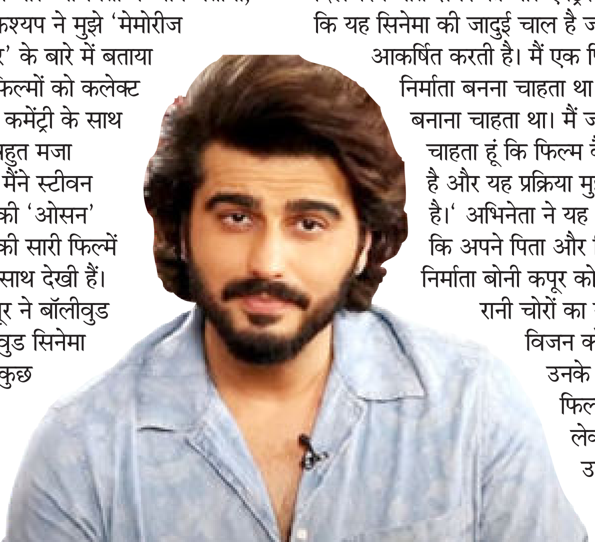

बॉलीवुड में 'तेवर', 'सिंघम अगेन' जैसी फिल्में करने वाले अभिनेता अर्जुन कपूर ने बताया कि उन्हें यूरोपीय और कोरियन फिल्में पसंद हैं और उनके पास 1000 से भी ज्यादा डीवीडी का कलेक्शन है। अर्जुन ने बताया, "मेरे पास एक हजार से भी ज्यादा डीवीडी हैं। हालांकि, मैंने आजकल व्यस्तता की वजह से देखना कम कर दिया है। जब मैं काम या अन्य सिलसिलों से बहुत ट्रैवल करता था, उस समय मैं यूरोपीय सिनेमा खूब देखता था।"अभिनेता ने आगे बताया, 'अनुराग कश्यप ने मुझे 'मेमोरीज ऑफ मर्डर' के बारे में बताया था। मुझे फिल्मों को कलेक्ट करने और कमेंट्री के साथ देखने में बहुत मजा आता था। मैंने स्टीवन सोडरबर्ग की 'ओसन' ट्राइलॉजी की सारी फिल्में कमेंट्री के साथ देखी हैं। अर्जुन कपूर ने बॉलीवुड और हॉलीवुड सिनेमा को लेकर कुछ दिलचस्प बातें भी शेयर कीं। उन्होंने भारतीय फिल्मों की तुलना कुछ क्लासिक इंटरनेशनल फिल्मों से की। उन्होंने अपनी यादों को ताजा करते हुए 'मिस्टर इंडिया' फिल्म का जिक्र किया और आधुनिक भारतीय सिनेमा के क्रिएटिव डायरेक्टर्स की तारीफ भी की। अर्जुन कपूर ने बताया कि उनका पहला प्यार फिल्म निर्माण था। कपूर ने बताया कि एक्टिंग से पहले उनका सपना फिल्म मेकिंग का था। अर्जुन ने हाल ही में फिल्म निर्माण के प्रति अपने शुरुआती जुनून के बारे में दिलचस्प बातें शेयर की थीं। एक्ट्रर ने बताया कि यह सिनेमा की जादुई चाल है जो मुझे आकर्षित करती है। मैं एक फिल्म निर्माता बनना चाहता था। मैं फिल्में बनाना चाहता था। मैं जानना चाहता हूं कि फिल्म कैसे बनती है और यह प्रक्रिया मुझे पसंद है।' अभिनेता ने यह भी बताया कि अपने पिता और फिल्म निर्माता बोनी कपूर को 'रूप की रानी चोरों का राजा' के विजन को देखकर उनके मन में फिल्म को लेकर और उत्सुकता बढ़ गई थी।

वन नाइट स्टैंड के चक्कर में इस एक्टर ने तोड़ दिया तब्बू का दिल

वरना आज होतीं कपूर खानदान की बहू!

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस तब्बू की एक्टिंग की तो दुनिया दीवानी है। हालांकि, एक्ट्रेस का अब भी सिंगल होना उनके कई फैंस को खलता है। लेकिन आपको बता दें कि तब्बू कई बार रिलेशनशिप में आ चुकी हैं और उनके एक बॉयफ्रेंड ने तो उन्हें दूसरी महिला के लिए धोखा दे दिया था। 53 साल की उम्र में भी तब्बू सिंगल हैं, लेकिन एक समय पर वो एक बॉलीवुड एक्टर के प्यार में पागल थीं। हम बात कर रहे हैं हैंडसम संजय कपूर की, जिन पर तब्बू फिदा थीं। जी हां, तब्बू का पहला सीरियस अफेयर संजय कपूर के साथ था, जिनके साथ उन्होंने फिल्म प्रेम में काम किया था। फिल्म की मेकिंग के दौरान ही दोनों के बीच प्यार की शुरुआत हुई थी। हालांकि, जल्द ही उनके ब्रेकअप की खबरें अखबारों में छपने लगीं। एक बार टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में संजय ने तब्बू के साथ अपने कुछ समय तक चले अफेयर के बारे में बात की और कहा- 'मैं उस समय तब्बू को डेट कर रहा था, लेकिन उस फिल्म के अंत तक हम एक-दूसरे से बात नहीं कर रहे थे।' जब तब्बू और संजय डेट कर रहे थे, तब इंडस्ट्री में लोगों को उम्मीद थी कि यह रिश्ता लंबे समय तक चलेगा। लेकिन उनके ब्रेकअप ने सबको हैरान कर दिया। कथित तौर पर संजय ही उनके अलग होने का कारण थे क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर महीप के साथ तब्बू को धोखा दिया था। एक बार, एक पुराने इंटरव्यू में, तब्बू ने शेयर किया कि संजय ने महीप के लिए उन्हें छोड़ दिया। उन्होंने कहा था- 'जब हम एक-दूसरे को डेट कर रहे थे तो वो दूसरी तरफ महीप के साथ भी कॉन्टैक्ट में थे।' महीप कपूर ने एक बार खुलासा किया था कि कैसे उन्होंने संजय कपूर के साथ वन-नाइट स्टैंड किया था और इस तरह उनका अफेयर शुरू हुआ। रौनक राजानी के यूट्यूब शो पर बोलते हुए महीप ने संजय के साथ अपनी प्रेम कहानी सुनाई और बताया- 'हमारा रिश्ता काफी सिंपल था। मैंने इस आदमी के साथ सिर्फ वन-नाइट स्टैंड किया था और मुझे नहीं पता था कि मैं उससे शादी करने जा रही हूं। मैं उसकी पार्टी में घुस गई, वहीं मेरी उससे मुलाकात हुई, वो नशे में था।' तब्बू की बात करें तो संजय से अलग होने के बाद, उन्हें कथित तौर पर डायरेक्टर- प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला से प्यार हो गया था। तब्बू और साजिद हमेशा से अच्छे दोस्त रहे हैं, लेकिन उनका रिश्ता फिल्म जीत में साथ काम करने के दौरान ही परवान चढ़ा। लेकिन साजिद तब्बू के साथ रिश्ता बनाने में हिचकिचाए क्योंकि उनके मन में अभी भी अपनी पत्नी दिवंगत दिव्या भारती के लिए फीलिंग्स थीं।

पुलिस अकादमी में डायरेक्टर डांगी की योग क्लास

शरीर के साथ मानसिक रूप से ट्रेनी सब इंस्पेक्टर हो रहे मजबूत

खेल संवाददाता ● रायपुर

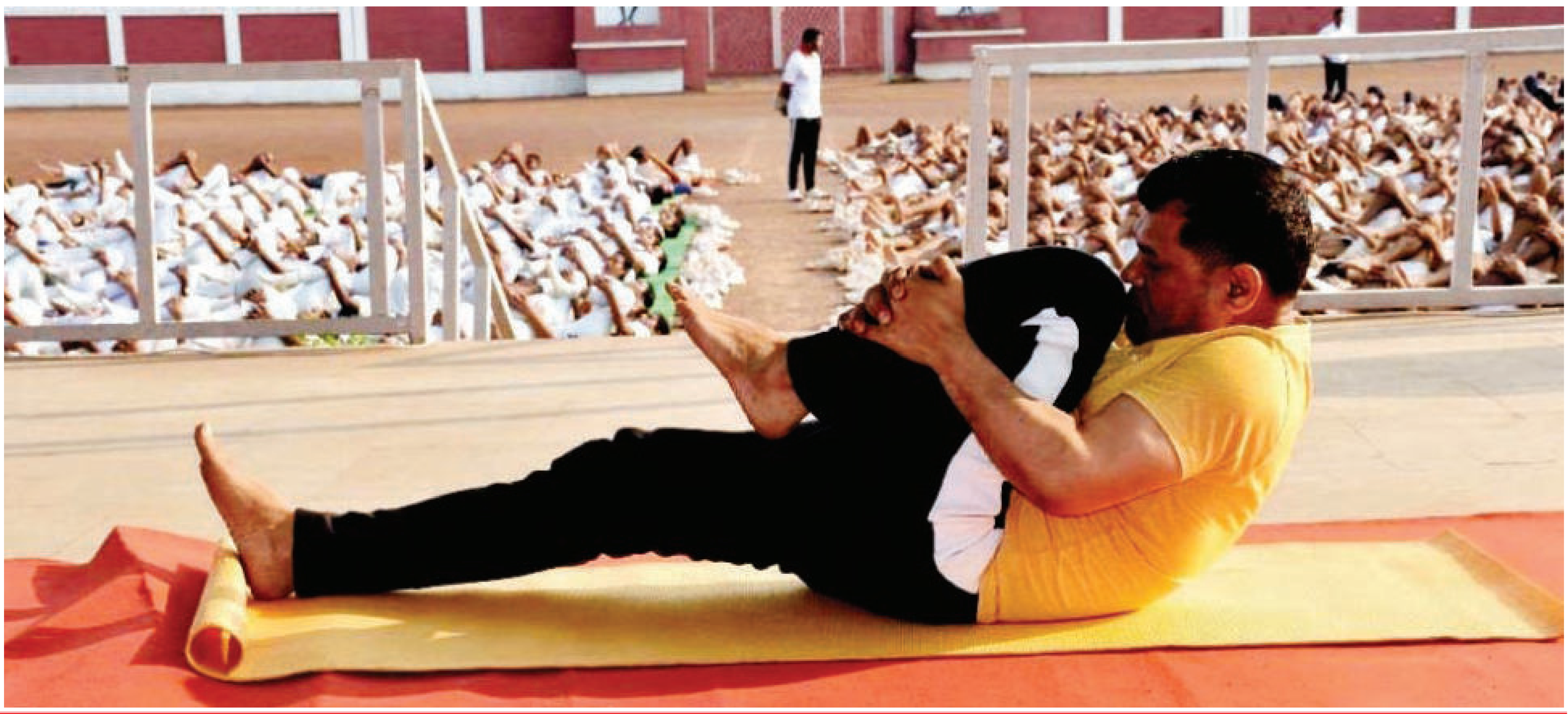

सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी में 533 उप निरीक्षक ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं. अकादमी में इन उप निरीक्षकों को अन्य अभ्यासों के साथ योग करवाया जा रहा है, जो कोई और नहीं बल्कि स्वयं अकादमी के निदेशक डॉ. रतन लाल डांगी करवा रहे हैं. डॉ. डांगी योग में पारंगत है. उन्होंने स्वयं के 1000 से भी ज्यादा योग के पोज है, जिसे सोशल मीडिया साइट फेस बुक और एक्स पर पोस्ट किया है. डॉ. रतन लाल डांगी बताते हैं कि योग करने के अनेक फायदे होते हैं, जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक तीनों स्तरों पर लाभ पहुंचाते हैं. नीचे योग करने के कुछ प्रमुख फायदे दिए गए हैं. शारीरिक फायदे में यह शरीर को लचीला बनाता है. मांसपेशियों को मजबूत करता है. पाचन सुधारता है. रक्त संचार सुधरता है और वजन नियंत्रित करने में मदद करता है.

शारीरिक के अलावा योग के मानसिक फायदे भी हैं, जिनमें ध्यान और प्राणायाम से मानसिक शांति मिलती है और स्ट्रेस कम होता है. योग अनिद्रा की समस्या में फायदेमंद होता है. इसके अलावा नियमित योग से मानसिक स्पष्टता और फोकस में सुधार होता है. इसके साथ ही योग के आध्यात्मिक फायदे भी हैं. इनमें ध्यान और साधना से व्यक्ति खुद को बेहतर समझ पाता है. योग से मन स्थिर होता है और शांति का अनुभव होता है.

गुजरात टाइटंस को मिल गया ग्लेन फिलिप्स का रिप्लेसमेंट, श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर को टीम से जोड़ा

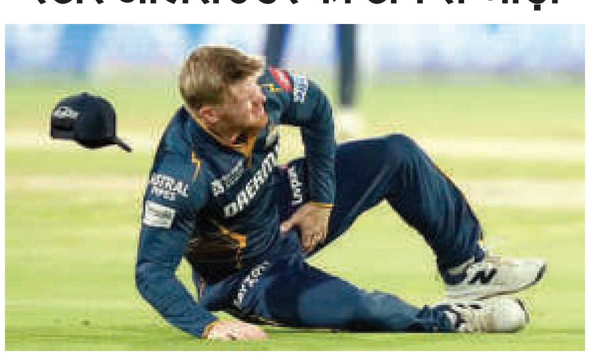

एजेंसी ● मुंबई

गुजरात टाइटंस को न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स का रिप्लेसमेंट मिल गया है। इस टीम ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान और ऑलराउंडर दासुन शनाका को टीम से जोड़ा है। शनाका पूरे सीजन अब टीम के साथ रहेंगे। फिलिप्स को ग्रोइन की चोट के कारण घर लौटना पड़ा था। गुजरात ने फिलिप्स को दो करोड़ रुपये के उनके बेस प्राइस पर नीलामी में खरीदा था।

हालांकि, फील्डिंग करते हुए उन्हें चोट लगी और वह पूरी सीजन के लिए टीम से बाहर हो गए। उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। शनाका ने श्रीलंका के लिए 102 टी20 मैच खेले हैं। वह साल 2023 में भी गुजरात टाइटंस के साथ रह चुके हैं। ऑलराउंडर ने उस सीजन सिर्फ तीन मैच खेले थे। उन्हें 75 लाख रुपये के उनके बेस प्राइस पर टीम से जोड़ा गया है।फिलिप्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान फील्डिंग करते वक्त चोट लगी थी। 28 वर्षीय फिलिप्स उस मैच में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर उतरे थे। वह बाउंड्री रोकने के चक्कर में चोटिल हो गए थे। गुजरात टाइटंस ने बयान जारी कर फिलिप्स को लगी चोट की पुष्टि की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

गुजरात ने बयान में कहा, गुजरात टाइटंस फिलिप्स के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता है। गुजरात की टीम फिलहाल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसने छह में से चार मैच जीते हैं और दो में हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात के आठ अंक हैं और उनका नेट रन रेट +1.081 है। शनाका इस साल की शुरूआत में एक विवाद में फंसे थे। उनपर आरोप था कि उन्होंने एक दिन में दो देशों में मैच खेले, जिसकी वजह से उन्हें श्रीलंका क्रिकेट की जांच का भी सामना करना पड़ा था।

हार्दिक-नीता और आकाश अंबानी चौंके

दो गेंद में दो बार पकड़ा गया हेड का कैच, फिर भी नहीं दिए गए आउट

एजेंसी ● मुंबई

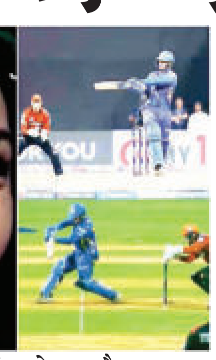

आईपीएल 2025 में गुरुवार को मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला गया। वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई की टीम ने हैदराबाद को चार विकेट से हरा दिया। हालांकि, इस मैच में कई विवादित पल देखने को मिले। कई ऐसे मौके आए जिसको लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। ट्रेविस हेड का कैच लगातार दो गेंदों पर पकड़ा गया, लेकिन दोनों बार वह बच गए। वहीं, हेनरिक क्लासेन की एक गलती भी हैदराबाद को भारी पड़ी। हैदराबाद की टीम ने पहले बल्लेबाजी की। अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने पहले विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी की।

हालांकि, दोनों के बीच ओपनिंग साझेदारी काफी धीमी रही थी। हेड ने 29 गेंद में 28 रन की पारी खेली, जिसकी उनसे उम्मीद नहीं की जाती है। इसी कड़ी में पारी के 10वें ओवर में हार्दिक पांड्या गेंदबाजी के लिए आए। ओवर की चौथी गेंद पर हार्दिक ने एक फुलर लेंथ की गेंद फेंकी और हेड ने इसे डीप मिड विकेट में खेला। वहां खड़े विल जैक्स ने कैच भी लपका और मुंबई के खिलाड़ी और स्टेडियम में मौजूद फैंस जश्न मनाने लगे। इसी कड़ी में नो बॉल का साइरन बजा, लेकिन न तो हेड और न ही मुंबई के खिलाड़ी उस शोर में उसे सुन पाए।

हेड भी पवेलियन की ओर चल पड़े। तभी अंपायर मदनगोपाल ने उन्हें रुकने का इशारा किया। फिर एक बार और साइरन बजा और पूरे स्टेडियम में सन्नाटा पसर गया। हार्दिक भी अपने बॉलिंग क्रीज पर वापस जाने लगे। स्टेडियम में मौजूदा आकाश अंबानी और नीता अंबानी भी चौंक गए और यकीन नहीं कर पाए। हद तो तब हुई जब अगली गेंद यानी फ्री हिट पर हेड ने लॉन्ग ऑन पर शॉट खेला और उस पर भी वह लपके गए। सैंटनर ने उनका कैच पकड़ा। दो गेंद पर दो बार उनका कैच पकड़ा गया, लेकिन वह आउट नहीं दिए गए। हेड ने 29 गेंद में 28 रन की बेहद धीमी पारी खेली।

इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में 1000 रन भी पूरे कर लिए।इस मैच में एक और कॉन्ट्रोवर्सियल मोमेंट तब देखने को मिला, जब मुंबई की टीम बल्लेबाजी के लिए आई। रियान रिकेल्टन और रोहित शर्मा ओपनिंग के लिए उतरे। हालांकि, दोनों की ओपनिंग साझेदारी 32 रन की ही रही। रोहित 16 गेंद में 26 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन रिकेल्टन को सातवें ओवर में जीवनदान मिला। सातवें ओवर में जीशान अंसारी की गेंद पर रिकेल्टन का कैच पैट कमिंस ने लपका।

इसके बाद रिकेल्टन लगभग डगआउट में पहुंच गए थे, लेकिन वहां चौथे अंपायर ने उन्हें रोका। फिर थर्ड अंपायर ने क्लासेन का ग्लव्स चेक किया और उसे नो बॉल दिया गया। दरअसल, अंपायर ने पाया कि जब गेंद फेंकी गई तब हैदराबाद के विकेटकीपर क्लासेन का हाथ स्टंप्स के बगल में था। एमसीसी के नियम 27.3 के मुताबिक, गेंद को फेंके जाने तक विकेटकीपर का हाथ विकेट के पीछे होना चाहिए। ऐसे में नो बॉल दिया गया और रिकेल्टन को जीवनदान मिला। रिकेल्टन ने 23 गेंद में पांच चौके की मदद से 31 रन की पारी खेली। मैच की बात करें तो सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन टुकड़ों में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और जीत हासिल करने में सफल रहे।

चेज करते हुए मुंबई की वानखेड़े पर 29वीं जीत

अब तक घर के बाहर नहीं जीत सकी है हैदराबाद

एजेंसी ● मुंबई

गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन टुकड़ों में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और जीत हासिल करने में सफल रहे। यह मुंबई की सात मैचों में तीसरी जीत है और वह छह अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। वहीं, सनराइजर्स को सात मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा है और वह चार अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की वानखेड़े में 29वीं जीत है। वहीं, हैदराबाद किसी और वेन्यू पर अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई है। इससे पहले उन्हें दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ विशाखापत्तनम में मात मिली थी। उसके बाद गत विजेता कोलकाता ने उन्हें ईडेन गार्डंस में हराया था

लक्ष्य का पीछा करते हुए इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे रोहित शर्मा ने रेयान रिक्लेटन के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई, लेकिन रोहित एक बार फिर बड़ी पारी खेले बिना 26 रन बनाकर आउट हो गए। रिक्लेटन बड़ी पारी की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन एक बार जीवनदान मिलने के बावजूद इसका फायदा नहीं उठा सके और 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिर सूर्यकुमार यादव भी 26 रन बनाकर आउट हो गए। तिलक वर्मा और कप्तान हार्दिक पांड्या ने कुछ अच्छे शॉट्स खेलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। 18वें ओवर की शुरूआत में मुंबई को जीत के लिए दो रन चाहिए थे और पहली गेंद पर तिलक ने सिंगल लिया, लेकिन अगली गेंद पर हार्दिक आउट हो गए। हार्दिक ने 21 रन बनाए। नए बल्लेबाज के रूप में उतरे नमन धीर पांचवीं गेंद पर खाता खोले बिना आउट हुए और मुंबई की जीत का इंतजार बढ़ गया।

वर्मा ने चौके के साथ लगाया जीत का तिलक

19वें ओवर की पहली गेंद पर तिलक ने चौका लगाकर मुंबई को जीत दिलाई। तिलक 17 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 21 रन बनाकर नाबाद लौटे। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कप्तान पैट कमिंस ने शानदार गेंदबाजी की और तीन विकेट झटके। उनके अलावा ईशान मलिंगा को दो और हर्षल पटेल को एक विकेट मिला।

हैदराबाद की पारी

अंतिम ओवर में अनिकेत वर्मा की शानदार बल्लेबाजी से सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस के सामने 163 रनों का लक्ष्य रखा। हैदराबाद की बल्लेबाजी धीमी रही, लेकिन अनिकेत ने 20वें ओवर में हार्दिक पांड्या के ओवर से 22 रन निकाले।

सचिन या धोनी नहीं, इस भारतीय खिलाड़ी को अपना आदर्श मानते हैं सुरेश रैना

लखनऊ। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना ने लखनऊ में आयोजित हुए अमर उजाला संवाद कार्यक्रम में शिरकत की। 2011 वनडे विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे रैना ने बताया कि भारतीय टीम में उनके आदर्श कौन हैं। रैना को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए अब समय हो चुका है, लेकिन अब भी उनकी यादगार पारियों प्रशंसकों के दिलों में ताजा हैं।उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में जन्में सुरेश रैना देश के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में शुमार रहे हैं। वह पहले भारतीय खिलाड़ी हैं, जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने का गौरव हासिल किया। वह अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच में शतक लगाने वाले पहले भारतीय भी हैं। 2005 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच में अपने करियर की शुरूआत करने वाले रैना भारत के मध्यक्रम में बेहतरीन बल्लेबाज और बेहद उपयोगी खिलाड़ी थे।रैना ने कहा, पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ था। राहुल द्रविड़ हमारे कप्तान थे। धोनी भाई, मैं और इरफान पठान बैठे हुए थे। जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो काफी निराश था। सोच रहा था कि पहला मौका मिला, लेकिन अब दूसरा मौका मिलेगा या नहीं मिलेगा। तो राहुल भाई आए और कहा- मैच था ये भाई। आउट ही हो गया। कल फिर ये मैच होगा। फील्डिंग में कुछ करके दिखाओ, गेंदबाजी में कुछ करके दिखाओ। उस समय राहुल भाई, सचिन पाजी, वीरेंद्र सहवाग ने इतना समर्थन किया एक मेरे जैसे युवा का, वो कहते थे जाओ बिंदास खेलो, हम आपके साथ खड़े हैं। तो ऐसा लगता था कि ये टीम नहीं हमारा परिवार है। राहुल भाई मेरे आदर्श हैं। उन्होंने कहा, फिर 2005, 2006, 2007, 2008 वो डगर चलती रही। राहुल भाई ने बहुत समर्थन किया, वो काफी अनुशासित थे और टीम की दीवार थे। राहुल भाई एक अलग ही किस्म के इंसान हैं। मुझे 2005 में वनडे कैप भी उनसे मिली, 2010 में टेस्ट कैप भी उनसे मिली। उनके साथ बहुत साझेदारी की, बहुत मैच खेले। 2005-06 में उनका बेटा समित, तब बहुत छोटा था तो वो बहुत रो रहा था। राहुल भाई को अगले दिन जमैका में बल्लेबाजी करनी थी। तो वो पहले बेटे के साथ रात तीन बजे तक खेले और फिर उसे सुलाके फिर आराम किया। अगले दिन दोनों पारियों में उन्होंने 60-70 रन बनाए।

'क्रिकेटर्स ने मुझे गंदी फोटो भेजीं', अनाया बांगड़ का बड़ा खुलासा, पिता संजय को लेकर कही यह बात

एजेंसी ● मुंबई

भारत के पूर्व क्रिकेटर और कोच रहे संजय बांगड़ का बेटा आर्यन हार्मोनल ट्रांसफॉर्मेशन के बाद अनाया बन चुका है। लिंग परिवर्तन के काफी समय बाद अनाया भारत लौटी हैं और लड़के से लड़की बनने की कहानी साझा कर रही हैं। यही नहीं वह हार्मोनल ट्रांसफॉर्मेशन के बाद आने वाली दिक्कतों पर भी खुलकर बात कर रही हैं। अनाया ने बताया कि कैसे एक पूर्व क्रिकेटर उनके साथ संबंध बनाने की बात करता था। इसके अलावा कई खिलाड़ी उन्हें अपनी गंदी तस्वीरें भेजते थे।अनाया बांगड़ ने बताया कि उन्हें आठ-नौ साल की उम्र में इस बात का अहसास हो गया था कि उनमें लड़कियों वाले गुण हैं।

उन्होंने कहा- जब मैं आठ नौ साल की थी तो मां की अल्मारी से कपड़े चुराकर पहनती थी। फिर शीशे में देखकर कहती थी कि मैं लड़की हूं और मुझे लड़की बनना है। मैंने मुशीर खान, सरफराज खान, यशस्वी जायसवाल जैसे कुछ जाने-माने क्रिकेटरों के साथ खेला है। मुझे अपने बारे में गोपनीयता बनाए रखनी पड़ी क्योंकि पापा एक क्रिकेटर थे।इस दौरान अनाया ने बताया कि लिंग परिवर्तन के बाद उन्हें समर्थन और उत्पीड़न दोनों मिले। उन्होंने आगे कहा- लड़की बनने के बाद मुझे समर्थन भी मिला और कुछ उत्पीड़न भी हुआ है। कुछ क्रिकेटर ऐसे भी रहे हैं, जिन्होंने मुझे बेतरतीब ढंग से अपनी गंदी फोटो भेजी हैं। एक और घटना तब हुई, जब मैं भारत में थी, मैंने एक पुराने क्रिकेटर को अपनी स्थिति के बारे में बताया। उसने मुझसे कहा कि चलो कार में चलते हैं, मैं तुम्हारे साथ सोना चाहता हूं।अनाया भी एक क्रिकेटर हैं। उन्होंने स्थानीय क्लब इस्लाम जिमखाना के लिए खेला है। हालांकि, वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब नहीं खेल पाएंगी। दरअसल, आईसीसी ने नवंबर 2023 में घोषणा की थी कि कोई भी खिलाड़ी जिसने पुरुष से महिला में ट्रांसफॉर्म किया है और किसी भी प्रकार के पुरुष युवावस्था से गुजरा है, उसे महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, भले ही उन्होंने किसी भी सर्जरी या जेंडर रीएसाइनमेंट ट्रीटमेंट को अंजाम दिया हो।

मुंबई से मिली हार के बाद निराश हैं सनराइजर्स के कोच विटोरी

कहा- कठिन विकेटों के अनुकूल ढलना होगा

एजेंसी ● मुंबई

आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद को पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। टीम सात में से दो जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। इस सीजन हैदराबाद की टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई है। ऐसे में कोच डेनियल विटोरी ने सफाई दी है। उन्होंने अपने बल्लेबाजों से कठिन पिचों के अनुरूप शैली में बदलाव का आग्रह करते हुए कहा कि हर पिच बल्लेबाजों की मददगार नहीं हो सकती और उन्हें अपने खेल में बदलाव करना होगा।मुंबई इंडियंस ने वानखेड़े स्टेडियम पर सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया। मुंबई के 163 रन के लक्ष्य के जवाब में सनराइजर्स पांच विकेट पर 162 रन ही बना सके। मुंबई के आफ स्पिनर विल जैक्स ने 14 रन देकर दो विकेट चटकाए। विटोरी ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि पिच पर किसी का नियंत्रण नहीं है तो यह तकदीर की भी बात है कि हमें ऐसे विकेट मिल रहे हैं जो हमें रास नहीं आ रहे।' न्होंने कहा, 'हमें हालात के अनुकूल ढलना ही होगा। हमें पता है कि चेन्नई में या अहमदाबाद में ऐसे हालात होंगे। हम हर जगह यह सोचकर नहीं जा सकते कि अनुकूल पिचें मिलेंगी। अब हमें यह समझकर उसके अनुरूप खेलना होगा।' विटोरी ने कहा, 'मुंबई के गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में शानदार प्रदर्शन किया। यह कठिन पिच थी। मुंबई ने हालात को बखूबी समझा और उसका पूरा फायदा उठाया। उनके पास जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट और हार्दिक पांड्या जैसे शानदार गेंदबाज हैं। बीच के ओवरों में उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की।'

मैच में क्या हुआ?

मैच की बात करें तो सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन टुकड़ों में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और जीत हासिल करने में सफल रहे। यह मुंबई की सात मैचों में तीसरी जीत है और वह छह अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। वहीं, सनराइजर्स को सात मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा है और वह चार अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। विल जैक्स को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने दो विकेट लिए और बल्लेबाजी में 26 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 36 रन की पारी खेली।

एक ओर जहां आधी से ज्यादा दुनिया भीषण गर्मी की मार जेझ रही है वहीं, दूसरी ओर स्विटजरलैंड के सैलॉन में वैलैस कैंटन में इस सप्ताह आए बर्फीले तूफान के बाद सड़के बर्फ से पट गई। जिसे हटाने में परिषद के कर्मचारी जुटे रहे। इस सप्ताह आए तूफानों के कारण वैलैस में बाढ़, भूस्खलन, भारी हिमपात और पेड़ गिर गए, जिससे यातायात बुरी तरह बाधित हुआ। कई रेल और सड़क संपर्क बंद हो गए, खास तौर पर ब्रिग क्षेत्र को भारी नुकसान हुआ।

शॉट न्यूज

भारतीय फार्मा गोदाम पर हमला नहीं : रूस

मॉस्को। रूस ने यूक्रेन के उन आरोपों को खारिज किया कि रूसी सेना ने कीव में एक भारतीय दवा कंपनी के गोदाम पर हमला किया। रूसी दूतावास ने आशंका जताई है कि यूक्रेनी वायु रक्षा मिसाइल भारतीय फार्मा कंपनी 'कुसुम' के गोदाम पर गिरी होंगी जिससे आग लग गई। भारत में यूक्रेनी दूतावास ने कहा था कि रूसी मिसाइल ने भारतीय दवा कंपनी कुसुम के गोदाम को निशाना बनाया और मॉस्को यूक्रेन में भारतीय व्यवसायों को ''जानबूझकर'' निशाना बना रहा है। नयी दिल्ली में यूक्रेन के दूतावास द्वारा लगाए गए आरोपों के जवाब में, रूसी दूतावास ने एक बयान में कहा कि रूसी सशस्त्र बलों ने 12 अप्रैल को कुसुम हेल्थकेयर के गोदाम पर न तो हमला किया और न ही हमला करने की कोई योजना बनाई। इसने कहा कि रूसी विमानों ने उस दिन मानव रहित हवाई यानों (यूएवी) को निशाना बनाया और मिसाइल बलों ने यूक्रेनी सेना के एक विमानन संयंत्र के अलावा एक हवाई क्षेत्र और बख्तरबंद वाहन मरम्मत तथा यूएवी असेंबली कार्यशालाओं को पूरी तरह से अलग स्थान पर निशाना बनाया।

चाकू की नोंक पर विमान हाईजैक, यात्री ने मार गिराया

सैन पेड्रो। बेलीज में उस समय हड़कंप मच गया जब एक अमेरिकी नागरिक ने चाकू की नोंक पर ट्रॉपिक एयर की घरेलू उड़ान को हाईजैक कर लिया। खबरों के मुताबिक, यह हादसा उस समय हुआ जब विमान हवा में था। आरोपी को विमान के एक यात्री ने गोली मारकर ढेर कर दिया। हाइजैकर की पहचान 65 वर्षीय अमेरिकी नागरिक अकिन्येला सावा टेलर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, टेलर ने विमान को उड़ान के दौरान चाकू दिखाकर देश से बाहर ले जाने की मांग की। विमान में 14 यात्री और 2 चालक दल के सदस्य सवार थे। यह उड़ान कोरोजल से सैन पेड्रो के लिए जा रही थी। बेलीज के पुलिस कमिश्नर चेस्टर विलियम्स ने बताया कि टेलर ने विमान में तीन लोगों को चाकू मार दिया, जिनमें पायलट और यात्री शामिल हैं। इसके बाद घायलों में से ही एक यात्री ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से टेलर को गोली मार दी।

15 साल बाद पाकिस्तान-बांग्लादेश के बीच हुई हाईलेवल बैठक

1971 के अत्याचारों के लिए पाक माफी मांगे : बांग्लादेश

ढाका ● एजेंसी

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 15 साल बाद कल विदेश सचिव स्तर की बातचीत हुई। इस दौरान बांग्लादेश ने कई अनसुलझे मुद्दे उठाए। बांग्लादेशी विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन ने पाकिस्तान से 1971 के अत्याचारों के लिए औपचारिक माफी की मांग की। बांग्लादेश ने कहा कि 1971 में जब दोनों देश एक ही थे, पाकिस्तान तब की संयुक्त संपत्ति से बांग्लादेश के हिस्से के 4.3 अरब डॉलर (36 हजार करोड़ रु. या 52 हजार करोड़ टका) का भुगतान करे। इसके साथ 1970 में आए चक्रवात के वक्त बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) की मदद के लिए मिले 200 मिलियन डॉलर (करीब 2400 करोड़ टका) का भी भुगतान करे।

मांग

3 लाख 'बिहारियों' की वापसी का मुद्दा

बांग्लादेश ने ढाका शिविरों में रह रहे 3 लाख से ज्यादा फंसे हुए पाकिस्तानियों की वापसी का भी मुद्दा उठाया। बांग्लादेश में इन्हें 'बिहारी' कहा जाता है। ये मूल तौर पर उर्दू भाषी मुस्लिम प्रवासी हैं, जो 1947 में भारत के बंटवारे के बाद बिहार और उत्तर प्रदेश से पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) बस गए थे। 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के बाद, इन लोगों ने पश्चिम पाकिस्तान के लिए वफादारी दिखाई, जिसके कारण इन्हें बांग्लादेश में भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। इन्हें 'पाकिस्तान समर्थक' मानकर बदला लिया गया। तब भारतीय सेना और रेड क्रॉस ने उनकी सुरक्षा के लिए ढाका और बाकी जगहों पर कई अस्थायी राहत शिविर स्थापित किए। बांग्लादेश की आजादी के बाद से ही लाखों लोग राहत शिविरों में बुरे हालात में रह रहे हैं, और न तो पाकिस्तान ने इन्हें अपनाया है।

मोहम्मद यूनुस से मिलीं पाकिस्तानी विदेश सचिव

जशीम उद्दीन ने अपनी पाकिस्तानी समकक्ष आमना बलूच के साथ फॉरेन ऑफिस कंसल्टेंसी (FOC) के बाद मीडिया से कहा कि हमने पाकिस्तान के साथ ऐतिहासिक रुप से अनसुलझे मुद्दों को उठाया है। बांग्लादेशी विदेश सचिव ने कहा- हमने कहा कि ऐतिहासिक रुप से अनसुलझे मुद्दों को सुलझाने का यह सही समय है। आपसी फायदे और हितों के लिए इन मुद्दों को हल करने जरुरत है। पाकिस्तानी विदेश सचिव आमना बलूच ने बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस और विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से अलग-अलग मुलाकात की।

पाकिस्तान को बताया बांग्लादेश का प्रमुख पड़ोसी

एक पत्रकार ने जशीम उद्दीन से पूछा कि क्या वर्तमान में ढाका का झुकाव पाकिस्तान की ओर है, जैसा पहले भारत की ओर था। इस पर उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का इरादा पाकिस्तान के साथ सम्मान और आपसी लाभ के आधार पर जुड़ने का है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश अपनी विदेश नीति के मुताबिक सभी पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने पर जोर देता है। पाकिस्तान दक्षिण एशिया में बांग्लादेश के प्रमुख पड़ोसियों में से एक है। बांग्लादेशी विदेश सचिव ने बताया कि पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार 27 और 28 अप्रैल को बांग्लादेश की यात्रा पर आएंगे। आमना बलूच ने कहा कि दोनों देशों के बीच जल्द ही डायरेक्ट फ्लाइट भी शुरु हो जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-चीन के साथ अच्छा सौदा करने जा रहे

हमसे कोई देश नहीं कर सकता मुकाबला : डोनाल्ड ट्रम्प

वॉशिंगटन ● एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हम चीन के साथ बहुत अच्छा सौदा करने जा रहे हैं। जब ट्रम्प से पूछा गया कि क्या अमेरिका को इस बात से परेशान होना चाहिए कि उसके सहयोगी चीन के करीब आ रहे हैं, इस पर उन्होंने कहा- नहीं। बता दें कि अमेरिका ने दो दिन पहले ही चीन पर 245% टैरिफ लगाया था। ट्रम्प ने कहा कि कोई भी हमसे मुकाबला नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि हम चीन के साथ बहुत अच्छा सौदा करने जा रहे हैं। ट्रम्प ने दावा किया कि चीन अमेरिका के साथ बैठक करने को तैयार है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि कल मेक्सिको के राष्ट्रपति के साथ बहुत ही अच्छी बातचीत हुई। इसी तरह, मैंने जापान के बिजनेस प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। चीन समेत हर देश हमसे मिलना चाहता है।

चीन पर लगाया बोइंग सौदे से मुकरने का आरोप व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प का मानना है कि अमेरिका नहीं बल्कि चीन को बातचीत की टेबल पर आना है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने बीजिंग पर बोइंग के एक बड़े सौदे से मुकरने का आरोप लगाया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने ट्रम्प के हवाले से कहा कि गेंद चीन के पाले में है। चीन को हमारे साथ समझौता करने की जरूरत है। हमें उनके साथ समझौता करने की जरूरत नहीं है। चीन ने कहा था- अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर से नहीं डरते अमेरिका के 245% टैरिफ पर चीन ने कहा कि हम अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर करने से नहीं डरते। चीन ने दोबारा कहा कि अमेरिका को बातचीत करनी चाहिए। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि चीन को बातचीत की शुरुआत करनी होगी।

नई वैज्ञानिक स्टडी ने चौंकाने वाला खुलासा

80 साल में तीन गुना गर्म हुई समुद्री सतहें

न्यूयॉर्क ● एजेंसी

समुद्र की सतहें अब पहले से कहीं ज्यादा गर्म हो चुकी हैं और ये बदलाव किसी एक इलाके की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की चिंता बन चुका है। एक नई वैज्ञानिक स्टडी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि पिछले 80 सालों में समुद्र की सतह पर चरम गर्मी वाले दिनों की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। 1940 के दशक में जहां साल भर में औसतन 15 दिन ही समुद्र की सतह पर अत्यधिक गर्मी दर्ज होती थी, वहीं आज ये आंकड़ा बढ़कर करीब 50 दिनों तक पहुंच चुका है। ये बदलाव सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपी सच्चाई हमारी धरती की सेहत और हमारे भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। वैज्ञानिकों का साफ कहना है कि वैश्विक तापमान में हो रही बढ़ोतरी, यानी ग्लोबल वॉर्मिंग इसका मुख्य कारण है। नई स्टडी बताती है कि आज जो समुद्री हीटवेव्स यानी अत्यधिक गर्म समुद्री मौसम की घटनाएं हो रही हैं, उनमें से लगभग आधी तो केवल ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ही हो रही हैं। इस रिसर्च को भूमध्य सागर के लिए उन्नत अध्ययन संस्थान, यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग, इंटरनेशनल स्पेस साइंस इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी ऑफ द बैलिआरिक आइलैंड्स के वैज्ञानिकों की टीम ने अंजाम दिया है।

गर्मी

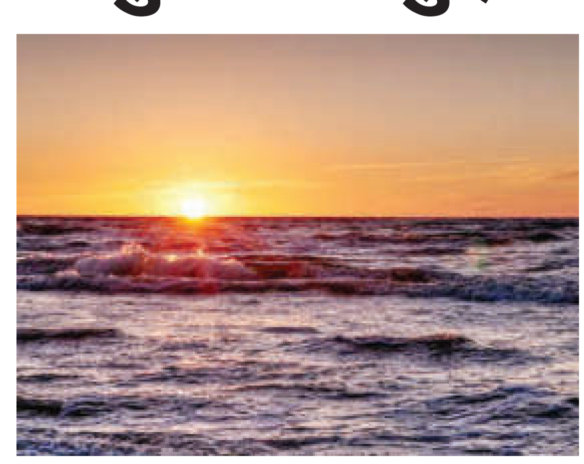

बढ़ते तापमान का असर इंसानी जिंदगी पर भी

समुद्री हीटवेव्स का असर सिर्फ समुद्र तक ही सीमित नहीं है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जब समुद्र गर्म होता है, तो यह वातावरण को भी अस्थिर बनाता है, जिससे तूफानों और भारी बारिश की घटनाएं ज्यादा तीव्र और सामान्य से अधिक बार होने लगती हैं। उदाहरण के तौर पर, 2023 में न्यूजीलैंड में आया साइक्लोन गैब्रिएल समुद्र की अत्यधिक गर्मी से और भी ज्यादा ताकतवर हो गया।

समुद्री जीवन को बड़ा खतरा

यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के डॉ. जियांगबो फेंग ने चेतावनी भरे लहजे में बताया, "समुद्री हीटवेव्स अंडरवॉटर इकोसिस्टम को तबाह कर सकती हैं। लंबे समय तक समुद्री सतह का गर्म रहना प्रवाल भित्तियों (कोरल रीफ्स), केल्प जंगलों और सीग्रास मीडोज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री आवासों को खत्म कर सकता है। " ये जगहें समुद्री जीवों के लिए घर जैसी होती हैं, और अगर ये खत्म हो गईं तो पूरा समुद्री जीवन संकट में पड़ सकता है।

आर्थिक नुकसान-जानमाल का खतरा

2023 और 2024 में रिकॉर्ड स्तर पर समुद्री गर्मी के दिनों की संख्या देखी गई, पिछले किसी भी साल के मुकाबले लगभग 3.5 गुना ज्यादा। इसका सीधा असर मछली पालन, पर्यटन, और तटीय समुदायों की आजीविका पर पड़ा। पेरु में समुद्री तापमान के कारण एंकोवी मछलियां अपने पारंपरिक इलाकों से हट गईं, जिससे वहां की व्यावसायिक मछली पकड़ने वाली फैक्ट्रियों को बंद करना पड़ा और लगभग 1.4 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)